PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 306 ● भिलाई, गुरुवार 18 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कार ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई, 3 लोगों की मौत

लखीमपुर। जिले में रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां एक तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हो गए। घटना से इलाके में कोहराम मच गया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर के शास्त्री नगर के रहने वाले विमल सिंह अपने पत्नी और बच्चों के साथ हरिद्वार छुट्टियां मनाने गए थे। मंगलवार तड़के वो हरिद्वार से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जैसे ही उनकी गाड़ी लखीमपुर खीरी के चपरतला क्षेत्र पहुंची अचानक अनियंत्रित हो गई और ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी दो किलोमीटर तक घिसटती रही। हुए लखीमपुर तक पहुंच गई। हादसे में कार सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

राम मंदिर चढ़ावा कांड में नया खुलासा: बैंक ने कंपनी को ठेका दिया

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब जांच का फोकस सिर्फ संदिग्ध कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर में चढ़ावे की गिनती और उससे जुड़े कर्मचारियों की तैनाती में बैंक, आउटसोर्सिंग कंपनी और ट्रस्ट की भूमिका जांच के घेरे में है। बड़ा खुलासा यह है कि बैंक ने कर्मचारियों को कंपनी के जरिए आउटसोर्सिंग पर रखा था, लेकिन कर्मचारी ट्रस्ट की ओर से तय किए गए थे। यानी जिन लोगों को चढ़ावे की गिनती जैसे संवेदनशील काम में लगाया गया, वे या तो किसी पदाधिकारी के परिचित बताए जा रहे हैं या उनसे जुड़ा नेटवर्क रखते थे। सबसे गंभीर सवाल यह है कि चढ़ावा गिनने वाले कर्मचारियों का न तो उचित सत्यापन हुआ, न नियमित तलाशी, न प्रभावी निगरानी। ट्रस्ट के कर्मचारी आईकार्ड लगाकर परिसर में आसानी से घूमते थे। सुरक्षा में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल तैनात होने के बावजूद ट्रस्ट कर्मियों की आवाजाही पर वैसी सख्ती नहीं दिखी।

जी7 में पीएम मोदी ने साझेदारी का नया मंत्र दिया

दुनिया संसाधनों की से नहीं भरोसे की कमी से जूझ रही-मोदी

एवियन/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सेशन में वैश्विक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज की दुनिया में सबसे बड़ी कमी संसाधनों की नहीं, बल्कि भरोसे की है। उन्होंने कहा कि भविष्य की वैश्विक साझेदारियों की सफलता इसी बात पर निर्भर करेगी कि देश आपसी विश्वास को कितना मजबूत बना पाते हैं। पीएम मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान 'नई साझेदारियों का निर्माण और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्निर्माण' विषय पर आयोजित आउटरीच सेशन में ये बयान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा जुड़ी हुई और एक-दूसरे पर निर्भर है, इसलिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन कोई भी साझेदारी तभी सफल हो सकती है जब उसकी नींव भरोसे पर टिकी हो। उन्होंने कहा कि भारत पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखता है। भारत का अनुभव बताता है कि विकास तभी सबसे प्रभावी होता है जब वह लोगों की आकांक्षाओं से जुड़ा हो। यही सोच भारत की अंतरराष्ट्रीय पहलों और साझेदारियों का आधार भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंटरनेशनल सोलर अलायंस, कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस, मिशन लाइफऔर 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान इसी सोच को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में आपसी विश्वास सबसे महत्वपूर्ण

रणनीतिक संपत्ति है। दुर्भाग्य से दुनिया संसाधनों की कमी से नहीं, बल्कि भरोसे की कमी से पीड़ित है और भविष्य की साझेदारियां इसी भरोसे को दोबारा स्थापित करने पर निर्भर करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत मानता है कि किसी साझेदारी की असली कसौटी यह नहीं है कि हम दूसरों के लिए क्या बनाते हैं, बल्कि यह है कि हम दूसरों को अपने लिए क्या बनाने में सक्षम बनाते हैं। भारत की विकास साझेदारियां भी इसी भावना पर आधारित हैं। भारत ने साझेदार देशों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने अफ्रीका में भारत के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, जल संसाधन, कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की पहलें अफ्रीकी देशों की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी मदद कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ग्लोबल साउथ को दुनिया से बहुत उम्मीदें हैं। उसे केवल सहायता नहीं, बल्कि बराबरी की साझेदारी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया को दाता और प्राप्तकर्ता की पुरानी सोच से आगे बढ़ना होगा और समान भागीदार के रूप में मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि देशों को केवल साथ-साथ नहीं, बल्कि एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए।

आर्थिक विकास का नया दृष्टिकोण रखने की अपील

आउटरीच सेशन के विषय पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'यह अच्छा है कि फ्रांस की जी7 अध्यक्षता ने इस विषय को महत्व दिया है।' पारंपरिक आर्थिक ढांचे को चुनौती देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है जब विकास को सिर्फ जीडीपी या व्यापार के आंकड़ों से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'असल सवाल यह नहीं है कि विकास कितना हुआ, बल्कि यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में हुआ। वैश्विक नीति निर्माताओं को अब विकास के असली उद्देश्य पर ध्यान देना चाहिए और एक अधिक मानवीय और समावेशी आर्थिक मॉडल अपनाना चाहिए।'

सीजेआई ने साइबर ठगों को बताया परजीवी

समाज के हित में इनका जेल में रहना जरूरी-जस्टिस सूर्यकांत..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बुधवार को सुनवाई के दौरान ऐसा गंभीर टिप्पणियां कीं, जो कुछ कुछ वक्त पहले दिए गए ऐसी ही बयान पर देशभर में खूब बवाल हुआ था. सीजेआइ साइबर फ्रॉड के एक आरोपी को बेल देने से साफ मना करते हुए कहा कि तुम लोग परजीवी हो, तुम्हारा जेल में रहना ही समाज के लिए बेहतर है. हालांकि लोग इस बार चीफजस्टिस द्वारा कहे गए शब्?द का समर्थन करते नजर आ रहे हैं. पिछली बार उनके द्वारा कहा गया कॉक्रोच शब्?द काफी चर्चा में था. सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि साइबर अपराधी परजीवी हैं, जो लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करते हैं, उन्हें धोखा देते हैं. ऐसे अपराधियों का जेल की सलाखों के पीछे रहना ही समाज के हित में है. सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने साइबर फ्रॉड करने वाले साइबर अपराधियों को लेकर कहा कि ऐसे अपराधी देश भर के लोगों को निशाना बनाते हैं, जिससे उन्हें बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान हो रहा है. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए कड़ी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी परजीवी हैं. चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'तुम लोग परजीवी हो, जो निवेशकों से करोड़ों रुपये ठग लेते हो. साइबर अपराधियों के प्रति हमें बेहद सख्त होना होगा. तुम्हारे शिकार पूरे देश में फैले होते हैं. उन्होंने आगे कहा कि साइबर अपराधी किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहते है.

दिल्ली में शुरू होगा 'एक पेड़ मां के नाम' मेगा वृक्षारोपण अभियान, 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार जल्द ही 'एक पेड़ मां के नाम' दिल्ली मेगा वृक्षारोपण अभियान 2026 की शुरुआत करने जा रही है। इस अभियान के तहत राजधानी में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में अभियान की तैयारियों को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अभियान की विस्तृत रूपरेखा, जनभागीदारी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, पौधारोपण के लक्ष्यों और विभिन्न विभागों व संस्थाओं की जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अभियान की तैयारियों पर चर्चा की गई।

टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध

भड़के राहुल गांधी,बोले-अगला नंबर वाटशाप का होगा क्या.. ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार द्वारा टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार पेपर लीक के असली दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि लाखों छात्र वर्षों से टेलीग्राम का उपयोग पढ़ाई, नोट्स, टेस्ट सीरीज, चर्चा और परीक्षा की तैयारी के लिए करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कुछ लोगों ने प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया है तो पूरे प्लेटफॉर्म को बंद करना समाधान कैसे हो सकता है। राहुल गांधी ने लिखा, 'टेलीग्राम बैन मोदी सरकार का पेपर लीक रोकने का नया नुस्खा है। चोर को पकड़ने के बजाय पीड़ित के घर पर ताला लगा दिया गया है।' कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि यदि इसी तरह प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया जाएगा तो अगला कदम वाटशाप पर बैन लगाने का हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दिखावटी कदम उठा रही है, जबकि पेपर लीक की समस्या की जड़ पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा के दिन छात्रों की सख्त जांच होगी, सुरक्षा के बड़े-बड़े इंतजाम किए जाएंगे, लेकिन पेपर लीक कराने वाले नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी।

ये दर्द कब खत्म होगा?

मकान मालिक ने टीएमसी को हेडक्वार्टर खाली करने को कहा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अंदरूनी कलह से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस (टीएससी) के लिए एक और बुरी खबर आई है. टीएससी से उस बिल्डिंग को खाली करने के लिए कहा गया है जिसका इस्तेमाल पार्टी अपने अस्थायी हेडक्वार्टर के तौर पर कर रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मालिक ने ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी को जगह खाली करने के लिए दो महीने की डेडलाइन दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, मालिक मोंटू साहा और उनके बेटे ने जगह खाली करवाने में मदद के लिए पुलिस से भी संपर्क किया है। यह बिल्डिंग, जिसे आम तौर पर तृणमूल भवन कहा जाता है, टोपसिया में श्रुरू बाईपास रोड पर स्थित है। 2021 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद, जब उसी इलाके (टोपसिया) में पार्टी का स्थायी ऑफिस दोबारा बनाने के लिए तोड़ा गया, तो टीएससी इस बिल्डिंग में शिफ्ट हो गई थी। साहा के साथ किराए का समझौता 2022 में शुरू हुआ था।

ट्रक और बस में आमने-सामने भिड़ंत, 6 यात्री घायल, केबिन में फंसा चालक

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के पाली क्षेत्र में आज एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेंदूपत्ता गोदाम के पास ट्रक और यात्री बस के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बस में 40 से 50 यात्री बैठे थे, जिनमें से 6 यात्री घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक बस कोरबा से बिलासपुर की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

संजय राउत का दावा

सांसदों को पार्टी बदलने के लिए दिए 15 करोड़; सांसदों को नोटिस जारी...

मुंबई। शिवेसना यूबीटी के सांसदों ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब शिवसेना यूबीटी में टूट की अटकलें हैं। अरविंद सावंत, अनिल देसाई और संजय राउत लोकसभा स्पीकर से मिले। मीडिया से बात करते हुए अरविंद सावंत ने कहा, हमने लोकसभा स्पीकर से अपील की है कि अगर सांसद उनके पास आते हैं तो वो संविधान के मुताबिक कार्यवाही करें। संजय राउत ने कहा कि स्पीकर ने उन्हें यकीन दिलाया है कि वे कानून और नियमों के तहत ही कार्यवाही करेंगे। महाराष्ट्र की सियासी लड़ाई का दिल्ली सियासी मैदान बन गया है। बंगाल की टीएमसी की बगावत का केंद्र भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का घर बना था, उसी तरह से महाराष्ट्र में जारी उथल-पुथल के केंद्र में एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे का दिल्ली स्थित आवास है। ओमराजे निंबालकर, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, संजय देशमुख और नागेश पाटील आष्टीकर मातोश्री से दूरी बनाए हुए

हैं। इससे पहले रविवार को उद्धव ठाकरे ने सांसदों की बैठक बुलाई थी। 9 लोकसभा सदस्यों में से अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजभाऊ वाजे और संजय पाटिल व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल हुए थे। संजय राउत ने बताया था कि ओमप्रकाश राजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे, नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर और संजय देशमुख ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया, जबकि संजय जाधव ने फोन पर ठाकरे से बात की। बता दें कि शिवसेना यूबीटी के वर्तमान में 9 सांसद हैं और 19 विधायक हैं। वहीं, 16 जून को शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के सांसद अरविंद सावंत ने पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के निर्देश पर लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है।

सत्ताधारी दल में रेत का विवाद हुआ खूनी

फार्च्यूनर सवार भाजपा नेता को जलाकर मारा! हिरासत में लिए गए चार आरोपियों में पार्टी नेता भी शामिल है..

कोरिया। संवाददाता

सत्ताधारी दल के नेताओं की बीच रेत उत्खनन का विवाद जिले में मरने-मारने में तब्दील हो चुका है. बीती रात जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में हुई दिल दहला देने वाली घटना में फॉर्च्यूनर गाड़ी को आरोपियों ने पहले टिपर से मारकर क्षतिग्रस्त किया, फिर आग लगा दी. घटना में गाड़ी में सवार भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं तीन अन्य सवार घायल हो गए. हिरासत में लिए गए आरोपी भी भाजपा से जुड़े बताए जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार रात 11 बजे की है. भरत सिंह अपने साथियों के साथ जैसे ही नवगई गांव पहुंचे आरोपियों ने पहले टिपर से फॉर्च्यूनर को कई बार टक्कर मारी, इसके बाद वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी. क्षतिग्रस्त वाहन के दरवाजे जाम होने की वजह से शीशा तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास कर रहे सवारों से आरोपियों ने मारपीट भी की. घटना में जहां फॉर्च्यूनर में सवार भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार उर्फ

लल्ला सिंह की जलकर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में जारी है. घटना की गंभीरता को देखते हुए सरगुजा रेंज के आईजी रात में ही मौके पर पहुंचे. पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अक्षय त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मन्नू त्रिपाठी शामिल हैं. बाकी तीन फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है. आरोपी भी भाजपा से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं. बताया जा रहा है कि मामले में मरने वाले भरत सिंह गहरवार उर्फलल्ला सिंह आरोपी मनोज त्रिपाठी के बीच दोनों भाजपा नेताओं के बीच रेत को लेकर विवाद था. दोनों भाजपा नेताओं के बीच रेत उत्खनन को लेकर विवाद था. लल्ला सिंह आरोपी मनोज त्रिपाठी 3 अन्य लोगों के साथ मंगलवार की दोपहर आपसी झड़प भी हुई थी, जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई थी. कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में मंगलवार की रात को हुई दिल दहला देने वाली घटना पर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है. कांग्रेस प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरे प्रदेश में रेत का व्यापार भाजपा नेताओं के बीच गैंगवार का कारण बन गया है. कोरिया जिले में हुई घटना में भाजपा नेता ने दूसरे भाजपा नेता और उसके भाई और साथियों को फॉर्च्यूनर में बंदकर पेट्रोल डालकर जिंदा जला डाला. दरअसल, पूरे प्रदेश में रेत का खूनी खेल चल रहा है.

सीएम योगी ने कहा

पुलिस र्किमयों का रील बनाना अनुशासनहीनता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पुलिसर्किमयों को ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया रील बनाने के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य अनुशासनहीनता हैं और बल की गरिमा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लखनऊ में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा भर्ती किए गए 930 कंप्यूटर ऑपरेटरों (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को ड्यूटी पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए और आत्म-अनुशासन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, याद रखें, ऐसा तभी हो सकता है जब आप आत्म-अनुशासन की भावना बनाए रखें। हम अक्सर देखते हैं कि ड्यूटी के दौरान कई लोग रील बनाते रहते हैं। यह अनुशासनहीनता का हिस्सा है।

राज्य में भीषण गर्मी के हिटवेव में स्कूल चलें हम नन्हे विद्यार्थियों की सेहत से खिलवाड़ की आहट

राज्य सरकार के फरमान से पालकों में विरोधाभास

डोंगरगांव नगर। छग में भीषण गर्मी के मौसम में एक तरफ जहाँ आसमान से आग बरस रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार ने 16 जून से स्कूल खोलने का फरमान जारी कर दिया है। भयंकर लू हीटवेव एवं झुलसा देने वाली उमस भरी गर्मी के मध्य नौनिहालों को स्कूल भेजने के निर्णय को लेकर सरकार के प्रति विरोधाभास पनपने लगी है। दरअसल हीटवेव के कारण सरकार खुद रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से न निकलने की सलाह दे रही है, तो फिर मासूम बच्चों को उसी भीषण गर्मी में घर से बाहर निकलने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है ? यह प्रशासन के कथनी और करनी के दोहरे मापदंड को उजागर करता है। वहीं राजधानी में वातानुकूलित कमरों में बैठकर फैसले लेने वाले अफसरान को शायद इस बात का तनिक भी इल्म नहीं है कि 45 डिग्री के तापमान में स्कूल जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर कितना गहरा असर पड़ेगा। गौर ए बज्म है कि शिक्षा जरूरी है बनिस्बत जान जोखिम में डालकर कतई नहीं होनी चाहिए।

सेहत बिगड़ने पर कौन जिम्मेदार ?

सरकार के 16 जून को स्कूल खोलने के रवैये को लेकर अभिभावकों में भारी गुस्सा है। नाम नहीं छापने की शर्त पर अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को शिक्षा दिलाने के भागमभाग में अधिकतर पालक बच्चों को हरसंभव स्कूल भेज देंगे, वहीं अज्ञानवश बच्चे भी स्कूल चले जायेंगे, बनिस्बत गर्मी की वजह से किसी बच्चे की सेहत खराब हो जाए तो जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या स्कूल शिक्षामंत्री या प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेंगे?

पंखे हैं तो निर्बाध बिजली नहीं

प्रशासन ने स्कूलों को जरूरी इंतजाम करने के निर्देश देकर अपना पल्ला झाड़ लिया है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि सरकारी स्कूलों में न तो पंखे ठीक से चलते हैं और न ही बिजली की निर्बाध आपूर्ति है। सर्वविदित है कि अघोषित विद्युत कटौती ग्रामीण छत्तीसगढ़ की पहचान बन चुकी है। ऐसे में बच्चों को ठंडे पेयजल तथा ओआरएस की सुविधा मिलने की उम्मीद तो बेमानी सी लगती है।

शारीरिक मानसिक प्रताड़ना की स्थिति

उमस भरे मौसम में बच्चों को कक्षाओं में बिठाना उनकी एकाग्रता बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें शारीरिक व मानसिक तौर से प्रताड़ित करने के समान होगा। स्कूल में उमस भरे मौसम में बच्चों में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है, वहीं अनेक सरकारी स्कूलों में पीने के साफ पानी तक की मुकम्मल व्यवस्था नहीं है, ऐसे में बच्चों के बेहोश होने के आसार बनते हैं। सरकार को अपने निर्णय पर पुनः विचार कर निर्णय लेना चाहिए।

विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए स्कूल बसों का निरीक्षण

गरियाबंद। विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के दिशा-निर्देशों एवं छत्तीसगढ़ राजपत्र के अधिसूचना के तहत जिले में स्कूल बसों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया।

स्कूल बसों के लिए निर्धारित सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं परमिट शर्तों के अनुरूप परिवहन विभाग, यातायात पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं जिला सेनानी कार्यालय के संयुक्त टीम द्वारा स्कूल बसों की जांच की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में पंजीकृत कुल 75 स्कूल बसों में से 30 बसों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा बस चालकों एवं परिचालकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। वहीं जिला सेनानी कार्यालय द्वारा बसों में लगे अग्निशमन यंत्रों के उपयोग एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई। परिवहन विभाग द्वारा बसों के सभी

आवश्यक दस्तावेजों जैसे प्रदूषण प्रमाण पत्र, कर (टैक्स), बीमा, फिटनेस तथा परमिट दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 45 बसें अनुपस्थित रहने पर स्कूल बसों के संचालकों को नोटिस जारी किया गया गया।

भीषण गर्मी में राहगीरों को मठा, छाछ वितरण

धमतरी। आस्था मंच, धमतरी औषधी विक्रेता संघ व मां आंगर मोती गौ धाम के सदस्यो द्वारा पुरुषोत्तम मास व भीषण गर्मी से बचने हेतु अम्बेडकर चौक माही मेडिकल के पास बस्तर रोड मे आने जाने वाले राहगीरो को मठा, छाछ वितरण किया गया। इस छाछ वितरण मे शहर के समाज सेवी दिलीप बड़जात्या, जानकी गुप्ता, राजेश साहु, अमित अग्रवाल, सत्तु वर्मा,

संजु जैन, कुसुम साहु, गीता साहु, उषा साहु, नेहा साहु, माही साहु, दीक्षा साहु, मौली साहु, नरेन्द साहु, अनिल पिजानी, महक पिंजानी ने आने जाने वाले राहगीरो को छाछ मठा देकर अपनी सेवा दिए।

दृष्टिबाधित, सामान्य विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का सशक्त माध्यम बनेगा ऑडियो बुक्स

धमतरी। शिक्षा के क्षेत्र में समावेशिता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों तथा सामान्य बच्चों के लिए 10,000 ऑडियो बुक्स निर्माण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की दिशा में टीम ने अब तक 9700 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर एक उल्लेखनीय कार्य किया है। यह प्रेरणादायक कार्य राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका के शारदा जो कि स्वयं दिव्यांग हैं और कमर से नीचे तक 80 प्रतिशत दिव्यांग होने के बावजूद यह नेक कार्य उनके नेतृत्व में संपादित किया जा रहा है। उन्होंने स्वयं 1500 से अधिक आडियो बुक निर्माण किया तथा इस कार्य में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 30 समर्पित शिक्षक-शिक्षिकाएँ शामिल हैं, जो अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों

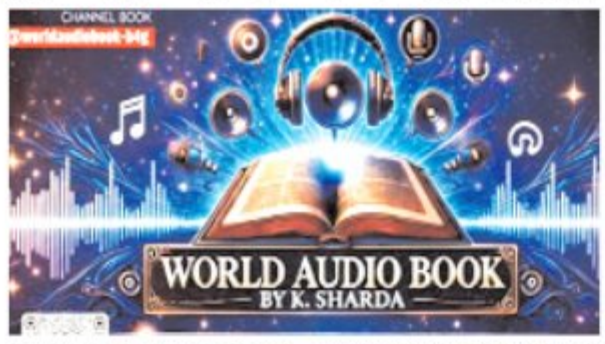

के साथ ही शाला समय के बाद विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण ऑडियो सामग्री तैयार करने में निरंतर योगदान दे रहे हैं।

इन ऑडियो बुक्स के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री सहज रूप से उपलब्ध हो रही है, वहीं सामान्य बच्चे भी सुनकर सीखने की आधुनिक पद्धति का लाभ उठा रहे हैं। यह पहल शिक्षा को अधिक समावेशीए सुलभ और तकनीक-सम्मत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।विशेषज्ञों के अनुसार ऑडियो बुक्स न केवल विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें कहीं भी और कभी भी अध्ययन करने की सुविधा भी प्रदान करती हैं। वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम द्वारा किया जा रहा यह प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को भी साकार करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। के शारदा ने बताया कि टीम का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री पहुँचाना है, ताकि किसी भी बच्चे की शिक्षा उसकी शारीरिक या अन्य सीमाओं के कारण बाधित न हो। उन्होंने बताया कि टीम शीघ्र ही 10,000 ऑडियो बुक्स के लक्ष्य को पूर्ण कर लेगी। वर्ल्ड आडियो बुक चैनल में 2100 से अधिक सब्स्क्राईबर, 107 से अधिक प्लेलिस्ट तथा 700000 से अधिक व्यूज देखे जा सकते हैं। शिक्षा जगत में इस कार्य की व्यापक सराहना की जा रही है। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, बच्चों एवं अभिभावकों ने टीम के प्रयासों को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। वर्ल्ड आडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का यह नेक कार्य प्रशंसनीय है।

वरिष्ठजनों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर : रामू रोहरा

नगर पंचायत आमदी में प्रबुद्धजन सम्मान एवं जनसंपर्क अभियान सम्पन्न

धमतरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत आमदी में व्यापक जनसंपर्क एवं सम्मान कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रामू रोहरा महापौर नगर पालिका निगम धमतरी रहे जिनके द्वारा शिवप्रसाद साहू सरस्वती शिशु मंदिर जमीन दान किया है एवं भुनु साहू गायत्री परिवार, हेमनु कुंभकार रामायनी, बिसु राम पटेल, मंसा राम साहू, पुरुसोत्तम साहू रिटायर शिक्षक, कैलू पाडे, घासी ढीमर रिटायर पुलिस, नोगेंद्र चक्रधारी धार्मिक जस झांकी आयोजनकर्ता, इन सभी प्रबुद्धजनों का श्री फल और गमछा भेंट कर स्वागत अभिन्दन किया गया। रामू रोहरा ने आगे कहा कि विशेष जनसंपर्क अभियान

केवल सरकार की उपलब्धियों को बताने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं अनुभवी व्यक्तियों के आशीर्वाद और सुझाव प्राप्त करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर है, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है। केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर तेजराम साहू भाजपा प्रदेश झुग्गी झोपड़ी सदस्य, ज्योति साहू अध्यक्ष नगर पंचायत आमदी, जीतेन्द्र कुमार पटेल भाजपा जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा, कोमल देवांगन महामंत्री आमदी मंडल, कोमल यादव उपाध्याक्ष, उमानंद कुंभकार सभापति, चन्द्रखेखर साहू कृषि सहकारी समिति अध्यक्ष, त्रिभुवन मटियारा पार्षद, नारायण मटियारा पार्षद, लक्ष्मी जीतेन्द्र पटेल पार्षद, जगेश्वर नेताम पार्षद, सुनीता कृपाल साहू पार्षद, संतोषी आंनद साहू पार्षद, किरण साहू पार्षद, वरिष्ठगण असरु साहू, नीलकंठ साहू, जागेश्वर साहू, आंनद साहू, जिनेंद्र पटेल महामंत्री भाजयुमो आमदी मंडल, तरुण साहू, भेवेन्द्र साहू, मितेश साहू, दीनदयाल साहू, सुरेंद्र पटेल, टूमेन्द्र कोसरिया, प्रेम डीमर एवं जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधु व नगर वासी मौजूद रहे।

बिजली का झटका, आम जनता पर महंगाई की एक और मार : मोक्ष प्रधान

भंवरपुर। बसना विधानसभा के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने संभावित बिजली दर वृद्धि को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डीजल, पेट्रोल और कृषि से जुड़े आवश्यक संसाधनों की बढ़ती कीमतों के बाद अब बिजली बिल में भी बढ़ोतरी की खबर आम लोगों और किसानों के लिए चिंता का विषय है। मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि यदि जुलाई से बिजली दरों में 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक की वृद्धि लागू होती है, तो इसका सीधा असर मध्यम वर्ग, गरीब परिवारों, छोटे व्यापारियों और किसानों की जेब पर पड़ेगा। पहले से बढ़ती महंगाई के बीच बिजली बिल का अतिरिक्त बोझ घरेलू बजट को और प्रभावित करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि आम नागरिक पहले ही रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं और अब बिजली की संभावित महंगाई से लोगों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं। उनके अनुसार, महंगाई का असर केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी किसान, मजदूर और छोटे व्यवसायी इसकी चुनौती का सामना कर रहे हैं। मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि सरकार को ऐसी नीतियां अपनानी चाहिए जिनसे आम जनता को राहत मिले। उन्होंने मांग की कि बिजली दरों में किसी भी प्रस्तावित वृद्धि पर पुनर्विचार किया जाए और उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसान सिंचाई, छोटे उद्योग और घरेलू उपभोक्ता बिजली पर निर्भर हैं, इसलिए दरों में वृद्धि का व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है।

शाश्वत उत्सर्ग यूथ थिएटर और रेडक्रॉस ने बाजी मारी

धमतरी। हिमाचल प्रदेश की शिमला में आल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहिताश गौर भाभी घर पर हैं फेम, उपाध्यक्ष रेखा गौर के संयोजन में आयोजित 71वें अखिल भारतीय नाटक एवं नृत्य प्रतियोगिता जिसमें देशभर के 29 नाटक एवं सैकड़ों नृत्य शामिल हुए, उक्त महोत्सव में शाश्वत उत्सर्ग यूथ थिएटर ग्रुप और रेडक्रास धमतरी के कलाकारों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा लिखित और आकाश गिरी गोस्वामी द्वारा निर्देशित औचित्य नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक की कथानक ने शिमला के ऐतिहासिक थिएटर हॉल गेयटी में उपस्थित प्रबुद्ध दर्शकों, निर्णायकों और वरिष्ठ रंगकर्मियों को गहराई से प्रभावित किया। यह कथा एक युवा रंगकर्मी की अंतःखोज को दर्शाती है, जो रंगमंच के माध्यम से देश की समृद्ध ज्ञान, परंपरा, उपनिषदों, वेदों, गीता और महाभारत के शाश्वत गूढ़ प्रश्नों को नई पीढ़ी तक पहुँचाना चाहता है। नाटक में वैचारिक संघर्ष, आपसी समझ और अंततः आत्मबोध की यात्रा को बेहद मार्मिक, कलात्मक और संवेदनशील ढंग से पिरोया गया, जिसने जजों का दिल जीत लिया। इसके अतिरिक्त, दल द्वारा सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देते हुए संदेशप्रद नुक्कड़ नाटक अंगदान महादान और नशे की विभीषिका पर प्रहार करता नाटक नशा नाश की जड़ है.. का भी अनेक जगहो मे भव्य मंचन किया गया। इन प्रस्तुतियों ने सामाजिक संदेश देने के साथ ही स्थानीय समुदायों में जनचेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त कीं। नाटक में शास्त्री की भूमिका में आकाशगिरी गोस्वामी, गांधारी व शास्त्री की पत्नी के रूप में वंदना गोस्वामी, विद्यार्थी व मैनेजर के

रूप में दुष्यंत सिन्हा और नरेंद्र व कृष्ण के रूप में आशीष साहू ने अपने सजीव अभिनय से समां बांध दिया। वहीं हरीश सिन्हा ने रोमियो व अर्जुन, गामिनी ने जुलियट, सुरेश दास मानिकपुरी ने धृतराष्ट्र व योगी और मैकल साहू ने संजय व गाइड मे अपनी सशक्त अभिनय प्रतिभा की छटा बिखेरी। नाटक के संगीत संयोजन ने प्रस्तुति में प्राण फूंकने का काम किया, जिसका जिम्मा आशीष साहू ने बखूबी संभाला। संगीत संचालन वैष्णवी साहू और प्रकाश संचालन मनीष कोटवानी द्वारा किया गया। मेकअप आकाश गिरी वंदना गिरी गोस्वामी ने किया, जबकि वेशभूषा की कमान वीरेंद्र कुंजाम ने संभाली। मंच सज्जा दिव्या साहू और दुष्यंत कुमार के संयुक्त प्रयासों से पूर्ण हुई। उक्त नाटक को कंसोलेशन अवॉर्ड प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर शाश्वत उत्सर्ग थियेटर के समस्त कलाकार एवं रंगकर्मी कुमेश्वर कुमार, पीबी पराड़कर, गोपाल शर्मा, दीपक लखोटिया, दीप शर्मा, मदनमोहन खंडेलवाल, डॉ सीएस चौबे, डॉ श्रीदेवी चौबे, डुमन लाल ध्रुव, प्रभा श्रीवास्तव, डॉ सरिता दोशी, कामिनी कौशिक, डॉ प्रदीप साहू, मदन मोहन दास, उमेश सिंह वशिष्ठ, वीरेन्द्र साहू, रविकांत गजेंद्र, मदन सिन्हा, मनुराज पचौरी, दीपाली कलिहारी, शशि हैवार, खिलेंद्र साहू, गुलशन यादव, सुनील शाह, भूषण पटेल, ओमन लाल सिन्हा, हीरालाल साहू, गुलशन ध्रुव, ग्रेवेंद्र सिंह कामड़े, नटवर कनौजे, देव शंकर देव, लक्की रजक, वेद साहू, नवीन सोनी, लक्ष्मण साहू, टिक्की निर्मलकर, रेडक्रॉस प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बी एक्का, सचिव डॉ यू एल कौशिक, चेयरमेन प्राप्ति वाशानी, वॉयस चेयरमेन शिवा प्रधान, जिला रेडक्रॉस अधिकारी मनोज साहू, सहायक जिला रेडक्रॉस अधिकारी सत्यप्रकाश प्रधान, अवध राम साहू, जिला सदस्य हेमराज सोनी, गुरशरण साहू, डी एन साहू, डॉ गणेश प्रसाद, परमेश्वर साहू, खूबलाल साहू, खोमन लाल साहू, एल के साहू, मोहिनी साहू, रितु प्रधान, गजानंद साहू, शेषनारायण गजेंद्र, सुरेश साहू, भूपेंद्र दास मानिकपुरी, रामकुमार विश्कर्मा, रामसिंह मांडवी, वेदप्रकाश सिन्हा, जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारों, रंगप्रेमियों, रेडक्रॉस टीम और प्रबुद्ध नागरिकों ने पूरी टीम को बधाई दी है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव का रंजना साहू ने जताया आभार

डिपोपारा सामुदायिक भवन हेतु राशि स्वीकृत

धमतरी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू की अनुशंसा एवं सतत प्रयासों से धमतरी नगर निगम क्षेत्र के सोरिद वार्ड स्थित डिपोपारा सामुदायिक भवन के विकास कार्यों के लिए 15 लाख 97 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के नागरिकों को सामुदायिक भवन में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। स्वीकृत राशि से सामुदायिक भवन परिसर में बोर खनन, शौचालय निर्माण, बाउंड्रीवॉल तथा शेड निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जाएंगे। इन सुविधाओं के विकसित होने से भवन का उपयोग सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए

और अधिक सुविधाजनक एवं उपयोगी हो सकेगा। रंजना साहू ने बताया कि डिपोपारा क्षेत्र के रहवासियों द्वारा लंबे समय से सामुदायिक भवन में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की मांग की जा रही थी। क्षेत्रवासियों की इस आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने शासन स्तर पर विषय को प्रमुखता से रखा और लगातार प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप यह स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि अपने विधायक कार्यकाल में उन्होंने क्षेत्रवासियों को सामुदायिक भवन की सौगात दी थी और अब उसके विकास एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए साहू ने छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। डिपोपारा सामुदायिक भवन में होने वाले विकास कार्य भी इसी जनहितकारी सोच का परिणाम है, जिससे क्षेत्रवासियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साहू ने कहा कि धमतरी विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और गांव में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं।

विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने पर नगर निगम सभापति कौशिल्या देवांगन, पार्षद विजय मोटवानी, पार्षद निलेश लुनिया, पूर्व पार्षद रितेश नेताम, अंकालू सिन्हा, पीताम्बर साहू, कांशी राम साहू, पंकज गौतम, चंद्रहास सेन, रेखा, तारा सेन, हिमांशु साहू एवं राम सिन्हा सहित वार्डवासियों ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना डीपेंद्र साहू तथा प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किए।

शाला प्रवेश उत्सव पर चल संगी स्कूल जाबो गीत एवं एल्बम का विमोचन

भंवरपुर। शाला प्रवेश उत्सव 2026 हेतु स्कूल शिक्षा विभाग महासमुंद में पदस्थ शिक्षकों द्वारा एक शानदार पहल करते हुए छत्तीसगढ़ के सभी बच्चों को स्कूल से जोड़ने हेतु चल संगी स्कूल जाबो गीत एवं एल्बम को विधानसभा बसना विधायक संपत अग्रवाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द बी एल देवांगन डी एम सी रेखराज शर्मा सहायक संचालक एन के सिन्हा प्रमोद कुमार कन्नौजे एवं प्रकाश मांझी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। विधायक विधानसभा बसना संपत अग्रवाल ने कहा कि इस गीत में सरकारी स्कूलों में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के साथ-साथ बच्चों को छत्तीसगढ़ एवं संपूर्ण देश के लिए तैयार होने एवं अपना सर्वांगीण विकास करने हेतु प्रेरित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द बी एल देवांगन ने अपने नवाचारी शिक्षकों के टीम को

बधाई देते हुए कहा कि हम सभी का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ना एवं उन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करना है समाज के प्रत्येक अंग जिसमें जनप्रतिनिधि पालक शिक्षक सभी को मिलकर पूरे जिले में हमें 100% बच्चों को अपने स्कूलों में एडमिशन देना है तथा ड्रॉप आउट को भी शून्य करना है। समग्र शिक्षा जिला महासमुंद के डी एम सी रेखराज शर्मा ने अपने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि वे सभी कार्य जो हमारे बच्चों को एवं पालक बंधुओं को विद्यालय के विकास से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास हेतु किये जा रहे हैं वे स्वागत योग्य हैं हम सभी का उद्देश्य बच्चों की 100त्न एडमिशन के साथ बच्चों को बेहतरीन शिक्षा एवं पोषण देना है हम सभी को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना है क्योंकि यही बच्चे देश के भविष्य हैं वह जितने आगे बढ़ेंगे और मजबूत होंगे हमारा राष्ट्र भी उतना आगे बढ़ेगा एवं मजबूत होगा। इस एल्बम की प्रस्तुति एवं संयोजन महासमुंद जिले के शिक्षकों वीरेंद्र कर प्रदीप क्षत्रे शैलेंद्र नायक सोमदेव तिवारी पूनम साहू एवं गिरधारी साहू ने किया है। इस गीत के गीतकार वीरेंद्र कर एवं शैलेंद्र नायक हैं। उन्होंने बातचीत करते हुए बताया कि इस एल्बम का उद्देश्य 100% बच्चों को स्कूल से जोड़ना और उनके सर्वांगीण विकास में सहभागिता रखना है शैलेंद्र नायक जी ने बताया कि पालकों को अधिक से अधिक प्रेरित कर अपने बच्चों को स्कूल भेजने हेतु स्कूली योजनाओं को उन्हें बताते हुए स्कूल से जोड़ना है इस गीत को मधुर स्वर से प्रदीप क्षत्रे शैलेंद्र नायक वीरेंद्र कर पूनम साहू एवं गिरधारी साहू ने सजाया है साथ ही साथ सोमदेव तिवारी एवं प्रदीप छत्रे ने मधुर संगीत वादन के रूप में हारमोनियम वादन एवं तबला वादन किया है। इस कार्य हेतु जिले के समस्त जन प्रतिनिधियों अधिकारियों एवं शिक्षकों द्वारा अपने इन होनहार शिक्षकों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई है।

संक्षिप्त समाचार

कूलर में पानी भरना पड़ा भारी, करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

रायपुर। गर्मी से राहत देने वाला कूलर एक परिवार के लिए काल बन गया। जशपुर जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र के तारागढ़ गांव में करंट लगने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, महिला अपने घर में रखे कूलर में पानी भर रही थी। इसी दौरान कूलर में अचानक करंट प्रवाहित हो गया और वह उसकी चपेट में आ गई। करंट इतना तेज था कि महिला खुद को उससे अलग नहीं कर सकी और गंभीर रूप से झुलस गई। घर से चीख-पुकार की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद महिला को कूलर से अलग किया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल पत्थलगांव ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

24 घंटे के भीतर जेवर समेत दो चोर पहुंचे सलाखों के पीछे

रायपुर। सकरी थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया। इस सफलता में डॉग स्क्वॉड की सूंघने की क्षमता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई निर्णायक साबित हुई। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 60 हजार रुपये मूल्य के चोरी गए सोने-चांदी के जेवर बरामद किए हैं।जानकारी के अनुसार, साईं नगर उस्लापुर निवासी नीता बघेल ने 13 जून को चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कृष्णा अस्पताल में ड्यूटी के लिए घर बंद कर जाने के बाद अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस सक्रिय हुई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर विशेष जांच टीम गठित की गई। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए, वहीं डॉग स्क्वॉड ने जांच को नई दिशा दी। पुलिस डॉग घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर सीधे साईं नगर क्षेत्र तक पहुंचा, जिससे संदिग्धों की पहचान आसान हो गई। पुलिस ने संदेह के आधार पर विकास चतुर्वेदी (24) और अमन टंडन (20) को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों पहले पुलिस को गुमराह करते रहे, लेकिन साक्ष्यों के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सके और चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चांदी के पायल, दो कमरबंद, सोने के कान के जेवर, पुन्नी और अन्य चोरी का सामान बरामद कर लिया।

10 महीने बाद पुलिस के शिकंजे में गांजा तस्करी का मास्टर माइंड

रायपुर। अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क के खिलाफचलाए जा रहे अभियान में महासमुंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब 10 माह से फरार चल रहे गांजा तस्करी के मुख्य आरोपी और वाहन मालिक कंभूपानी बिशोई को ओडिशा के गंजाम जिले से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर 190 किलोग्राम गांजा की तस्करी और दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत से जुड़े मामले में आरोप हैं। पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई 2025 को थाना खल्लारी क्षेत्र के हाड़बंद ओवरब्रिज के पास एक कार में भारी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा था।

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

प्राकृतिक खेती अपनाकर किसान अपनी बढ़ाएं आय-केदार कश्यप

- खेत बचाओ अभियान के तहत प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन
- किसानों को वितरित किए गए उन्नत बीज और प्राकृतिक खेती की सामग्री

रायपुर/ संवाददाता

प्राकृतिक खेती रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर निर्भरता को कम करती है, जिससे खेती की लागत में कमी आती है और किसानों की शुद्ध आय बढ़ती है। साथ ही, यह मिट्टी की जैविक विविधता और उर्वरता को पुनर्जीवित करती है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए कृषि को टिकाऊ और सुरक्षित बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित ष्खेत बचाओ अभियानष् के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण नागरिकों ने भाग लिया। एक दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं कृषि प्रदर्शनी के अवसर पर कृषि, उद्यानिकी, पशुधन विकास, मत्स्य, रेशम विभाग, कृषि महाविद्यालय तथा अन्य संस्थाओं द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती, कृषि नवाचार और आजीविका संवर्धन से संबंधित प्रदर्शनी

लगाई गई। अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर किसानों से संवाद किया और नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने किसानों को हल्दी की उन्नत किस्म के प्रकंद, रागी बीज एवं प्राकृतिक खेती में उपयोगी सामग्री का वितरण किया। जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाले प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। मिलियनेयर कृषक अवार्ड से सम्मानित श्री चैतूराम यादव एवं श्री नीलकंठ नाग, बेस्ट फार्मर इन इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम अवार्ड प्राप्त श्री सुरेन्द्र नाग तथा राज्यपाल सम्मान से सम्मानित श्रीमती गीता नाग को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि किसानों से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण करने और खेती की लागत कम करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने जीवामृत, बीजामृत, प्राकृतिक कीट प्रबंधन तथा स्थानीय संसाधनों पर आधारित कृषि पद्धतियों को अपनाने पर बल देते हुए किसानों को टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन ने बताया कि खेत बचाओ अभियान का उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के माध्यम से टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाकर स्वस्थ और सुरक्षित खाद्य उत्पादन में योगदान देने की अपील की। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों ने जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, मल्चिंग, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और अग्न्यास्त्र जैसे प्राकृतिक कृषि उत्पादों के निर्माण एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही किसानों को प्राकृतिक खेती के आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक लाभों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषकों, जनप्रतिनिधियों, कृषि वैज्ञानिकों, छात्र-छात्राओं एवं विभागीय अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दिव्येंदु दास ने सभी अतिथियों और किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक करने, कृषि लागत कम करने, आय बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

सोलर दीदियां बनेंगी हरित ऊर्जा की नई पहचान.....

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत कबीरधाम जिले में महिला सशक्तिकरण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई है। कबीरधाम जिले में वंदे मातरम् संकुल स्तरीय संघ से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की 35 महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये महिलाएं अब गांवों में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, संचालन, रखरखाव एवं तकनीकी सेवाएं प्रदान करेंगी। विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में दीदियों को सोलर सिस्टम की तकनीकी बारीकियों, उपकरणों की स्थापना, मरम्मत, रखरखाव तथा उपभोक्ता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण के पश्चात सोलर दीदियां गांवों में सौर उपकरणों की स्थापना और मरम्मत का कार्य कर सकेंगी, जिससे उन्हें नियमित आय का स्रोत प्राप्त होगा। सौर संयंत्रों की स्थापना पर मिलने वाले कमीशन के माध्यम से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। यह पहल प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अब ग्रामीणों को अपने ही गांव में सोलर पैनल लगाने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होंगे, जिससे स्थापना प्रक्रिया सरल होगी तथा उपकरणों का रखरखाव भी स्थानीय स्तर पर आसानी से हो सकेगा।

महतारी वंदन योजनाः प्रतिमाह मिल रही आर्थिक सहायता....

- लक्ष्मी गंधर्व की छोटी-छोटी जरूरतें हो रही पूरी

रायपुर/ संवाददाता

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना जिले की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसी कड़ी में मुंगेली निवासी श्रीमती लक्ष्मी गंधर्व के लिए यह योजना आर्थिक संबल और आत्मविश्वास का माध्यम बन गई है। श्रीमती लक्ष्मी गंधर्व नियमित रूप से महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता

मिल रही है, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर पा रही हैं। इस राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई, घरेलू आवश्यकताओं तथा छोटे-मोटे दैनिक खर्चों के लिए कर रही हैं। लक्ष्मी गंधर्व ने बताया कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए आर्थिक सहारा बन गई है। नियमित सहायता मिलने से परिवार की वित्तीय स्थिति में सुधार आया है और आत्मनिर्भर बनने का विश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें परिवार के निर्णयों में अधिक भागीदारी और आत्मविश्वास भी दे रही है। लक्ष्मी गंधर्व ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं को अपने और अपने परिवार के बेहतर भविष्य के निर्माण में मदद मिल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित फोटो प्रदर्शनी

- सांसद चिंतामणि महाराज ने किया उद्घाटन, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियां प्रदर्शित

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने किया। 16 से 18 जून तक आयोजित इस प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा देश की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को आकर्षक चित्रों और जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी शासन की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है। उद्घाटन अवसर पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी नागरिकों को विकास यात्रा और शासन की उपलब्धियों से अवगत कराने का सशक्त माध्यम है। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को शासन की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी सरल एवं प्रभावी ढंग से प्राप्त हो रही है। वहीं जनप्रतिनिधि श्री भारत सिंह सिसोदिया ने भी नागरिकों से प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम श्री स्कूल, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को चित्रों एवं तथ्यों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही आधारभूत संरचना, डिजिटल इंडिया, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियों को भी दर्शाया गया है।

अब समय पर खाद बीज मिलने से सियालाल के खेतों में आई समृद्धि

- विष्णुदेव साय सरकार की किसान हितैषी नीतियों से नारायणपुर के भिरागांव में बदला खेती का परिदृश्य, बढ़ी आय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार की किसान-कल्याण प्राथमिकताओं का असर अब बस्तर के वनांचल क्षेत्रों में साफदिखने लगा है। जिले में किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के लिए शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से खेती-किसानी का काम बेहद

सुगम हो गया है। इसी का एक जीवंत उदाहरण हैं नारायणपुर जिले के ग्राम भिरागांव के प्रगतिशील किसान सियालाल यादव, जिनके लिए इस वर्ष का खरीफ सीजन नई उम्मीदें और उत्साह लेकर आया है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत समय पर खाद एवं उत्तम किस्म के बीज उपलब्ध होने से सियालाल बेहद प्रसन्न हैं। उन्होंने अपनी आगामी खरीफ सीजन की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी हैं। अपनी खुशी जाहिर करते हुए सियालाल बताते हैं कि पहले आवश्यक कृषि सामग्री, खाद और बीज के लिए हम किसानों को भटकना पड़ता था और कई चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब शासन की सजगता से सब कुछ गांव के नजदीक और समय पर मिल रहा है। इससे न केवल हमारी चिंता दूर हुई है, बल्कि खेती करना पहले की तुलना में अधिक सुगम हो गया है। किसान सियालाल यादव पारंपरिक धान की खेती के साथ-साथ अब दलहन और मोटे अनाजों (मिलेट्स) को अपनाकर अपनी तकदीर खुद बदल रहे हैं।

जिले में साइंस ऑन व्हील्स का शुभारंभ

रायपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड आरंग के ग्राम राखी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतरिक्ष केंद्र, रायपुर से राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान जागरूकता अभियान साइंस ऑन व्हील्स का शुभारंभ किया गया। यह अभियान भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद (एनसीएसटी) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस पहल को प्लाक्षा विश्वविद्यालय, आईआईटी मंडी तथा इसरो पंजीकृत स्पेस ट्यूटर संस्था द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में छह घंटे का हैंड्स-ऑन विज्ञान प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रॉकेट एवं उपग्रहों की कार्यप्रणाली, भारत के अंतरिक्ष अभियानों, रोबोटिक्स एवं जल संरक्षण, स्वच्छ जल एवं सतत विकास से संबंधित जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र एस.एस. बजाज उपस्थित रहे। इस अवसर पर बीएसएनएल छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक वी.के. छबलानी, प्लाक्षा विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर एवं विज्ञान संचारक डॉ. रुचा जोशी तथा एयरोस्पेस इंजीनियर एवं प्लाक्षा विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शशांक तमास्कर भी उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने पौने 37 करोड़ रूपए के जलप्रदाय योजना विस्तार कार्य का किया भूमिपूजन

पेयजल व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा,यह कार्य-उद्योगमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आज नगर पालिक निगम कोरबा के पौने 37 करोड़ रूपये की लागत वाले जलप्रदाय योजना विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया, इस कार्य के पूर्ण हो जाने के पश्चात निगम क्षेत्र की ऐसे बस्तियॉं जहॉं पानी की किल्लत थी, वह समस्या अब दूर होगी तथा समस्याजनित बस्तियों, पारों एवं मोहल्लों में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा जिला खनिज न्यास मद (डीएमएफ) से 36 करोड़ 73 लाख रूपये की लागत से जलप्रदाय योजना का विस्तार कार्य किया जाना हैं, इसके अंतर्गत 20 एमएलडी के जलउपचार संयंत्र के साथ-साथ इमलीडुग्गू में 12 लाख 60 हजार लीटर की क्षमता वाली पानी टंकी, दादरखुर्द में 22 लाख 50 हजार लीटर की क्षमता वाली पानी टंकी एवं रूमगरा में 10 लाख 80 हजार लीटर की क्षमता वाली पानी टंकी यानी उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण किया जाएगा, वहीं 15.3 किलोमीटर पाईप लाईन भी बिछाई जाएगी। योजना के पूर्ण होने पर इमलीडुग्गू मोतीसागरपारा, भिलाईखुर्द, बरबसपुर, कर्रानाला, मानिकपुर, रूमगरा, ढेलवाडीह, खरमोरा, दादरखुर्द, बेलगिरी बस्ती में निवासरत नागरिकों को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने के साथ-साथ निचले स्तर पर स्थित बस्तियों जहॉं पर लो प्रेशर के फलस्वरूप पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही थी, उन समस्त स्थानों में निर्बाध पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी तथा नगर निगम कोरबा क्षेत्र की लगभग 60 हजार जनसंख्या इस कार्य से लाभान्वित होंगे। आज इमलीडुग्गू गौमाता चौक में आयोजित भूमिपूजन कायक्रम के दौरान इस महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के हाथों सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हम सबको जिला खनिज न्यास मद के रूप में एक बड़ी सौगात दी है, जिसके परिणाम स्वरूप जिलों में अरबों रूपये के विकास कार्य इस मद के अंतर्गत

हो रहे हैं, उन्होने कहा कि आज जिस महत्वपूर्ण पेयजल योजना विस्तार कार्य का शुभारंभ किया गया है, वह भी जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत हुआ है। उन्होने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच है कि हर व्यक्ति के पास पक्का मकान हों, हर घर में बिजली की सुविधा व शौचालय हों, हर घर तक पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हों, और इन्ही सब का परिणाम है कि आज इस दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य हो रहे हैं। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश में दर्जनों जनकल्याणकारी व गरीब हितैषी योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठ रहा है, उनकी समस्याएं दूर हो रही हैं। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस महत्वपूर्ण कार्य का भूमिपूजन किया गया है, इस कार्य के पूर्ण हो जाने के पश्चात निगम क्षेत्र की ऐसी बस्तियों जहॉं पानी की किल्लत थी तथा पानी की कम आपूर्ति होती थी, वहॉं पर पर्याप्त पानी की आपूर्ति हो सकेगी तथा पानी की किल्लत दूर होगी। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में देश व प्रदेश का चहुमुंखी विकास हो रहा है, वहीं कोरबा के विकास के लिये उपमुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पेयजल योजना विस्तार का यह कार्य निगम की पेयजल व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा तथा आमनागरिकों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा। उन्होने कहा कि विगत 12 साल में केन्द्र सरकार के द्वारा देश व प्रदेश का तेजी से विकास किया गया है, 12 साल में लाखों किलोमीटर सड़कें बन चुकी हैं, 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आयें हैं तथा 50 करोड़ लोगों का आयुष्मान योजना में निःशुल्क इलाज हो रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी केसाथ ही पार्षद अशोक चावलानी, नरेन्द्र देवांगन।

संपादकीय

महंगाई की आंच-जमीन पर क्यों नजर नहीं आ रहा वैकल्पिक उपायों का असर?

ऐसा लगता है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में तीन महीनों में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है।पश्चिम एशिया में हालात सामान्य नहीं हो पाने का असर अब प्रत्यक्ष रूप से महंगाई में तेज बढ़ोतरी के रूप में सामने आ रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफे के बाद सरकार ने घरेलू रसोई गैस के दामों में भी 29 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी है। यानी महंगाई की आंच आम लोगों की रसोई तक पहुंच गई है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।इस स्थिति को लेकर पहले से ही अनुमान लगाए जा रहे थे, लेकिन सवाल सरकार के उन दावों पर उठ रहे हैं, जिनमें कहा गया था कि संभावित संकट का सामना करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाश लिए जाएंगे। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है।भारत पर इसका ज्यादा असर इसलिए पड़ रहा है, क्योंकि यहां आयात पर निर्भरता अधिक है। यह सब ज्ञात होने के बावजूद अगर महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए कारगर कदम उठाने के बजाय इसका बोझ जनता पर डाल दिया जाए, तो क्या इसे उचित ठहराया जा सकता है।सरकार ने पिछले माह चार चरणों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे, जिसके परिणामस्वरूप कुल मिलाकर पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.53 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया था। इसी तरह व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में भी बढ़ोतरी की गई।उम्मीद की जा रही थी कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम फिलहाल स्थिर रहेंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में तीन महीनों में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले मार्च में साठ रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी, यानी इस अवधि में प्रति सिलेंडर कुल मिलाकर 89 रुपये बढ़ चुके हैं।सरकार का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कीमतों में लगातार उछाल की वजह से तेल कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस के दाम घटते हैं, तो क्या उनका लाभ आम उपभोक्ताओं को दिया जाता है? यह मसला लंबे समय से कई स्तरों पर उठाया जाता रहा है, लेकिन इस पर कोई गंभीरता अब तक नजर नहीं आई है।घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के बाद सरकार अब यह कहकर अपनी पीठ थपथपा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में तेज उछाल के बावजूद देश की जनता को रसोई गैस दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही है।इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं।

'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को कॉकरोच के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है। किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं- परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना।

लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर संकट?

(ललित गर्ग)

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मर्यादा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग? भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को कॉकरोच के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है। किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक

अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं। सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल, बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, संस्थागत शक्ति, न्यायिक व्यवस्था, मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भड़काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में। आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता और वैधता एक जैसी चीजें नहीं हैं। कई बार कोई विचार ट्रेंड तो बन जाता है, लेकिन उसके पास न स्पष्ट दृष्टि होती है, न कोई रचनात्मक कार्यक्रम और न कोई उत्तरदायित्व। सोशल मीडिया पर वायरल होना लोकतांत्रिक स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का तेजी से लोकप्रिय होना इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में असंतोष है, लेकिन यह इस बात का प्रमाण नहीं कि आंदोलन का मार्ग सही है। लोकतंत्र में ट्रेंडिंग हैशटैग से अधिक महत्व तथ्यों, नीति और संस्थागत संवाद का होता है। यदि राजनीति केवल मीम, व्यंग्य और डिजिटल आक्रोश तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र धीरे-धीरे विचारशील नागरिकता से हटकर भीड़तंत्र में बदल सकता है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता, संस्थागत विश्वास और राष्ट्रीय एकता का भी है। यदि युवा शक्ति का बड़ा हिस्सा निरंतर अविश्वास, नकारात्मकता और टकराव की राजनीति की ओर आकर्षित होता है, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। विकास के लिए केवल आलोचना नहीं, बल्कि सहभागिता भी आवश्यक है। युवाओं को सरकार से प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन साथ ही समाधान भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें जवाबदेही मांगनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं के प्रति सम्मान भी बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता विरोध और सहयोग के संतुलन में निहित है। इस पूरे प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे आंदोलनों को समर्थन देते दिखाई देते हैं। यदि कोई राजनीतिक दल वास्तव में शिक्षा सुधार चाहता है तो उसे संसद, विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव रखने चाहिए। लेकिन यदि छात्र असंतोष को केवल सरकार को घेरने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र और युवाओं दोनों के साथ अन्याय है। राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे शिक्षा सुधार के लिए क्या ठोस कार्यक्रम रखते हैं। केवल विरोध का समर्थन करना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का दायित्व विकल्प प्रस्तुत करना भी होता है। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, पेपर लीक पर कठोर दंड, रोजगार सृजन, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार-ये सभी वास्तविक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। लेकिन इनका समाधान व्यंग्यात्मक राजनीति या प्रतीकात्मक आक्रोश में नहीं है। समाधान सरकार, न्यायपालिका, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, छात्र संगठनों और समाज के बीच निरंतर संवाद में है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के असंतोष को रचनात्मक ऊर्जा में बदला जाए। भारत का लोकतंत्र विरोध को स्वीकार करता है, लेकिन वह विरोध तभी सार्थक होता है जब वह व्यवस्था को तोड़ने के बजाय सुधारने की दिशा में आगे बढ़े। 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसी प्रवृत्तियां पहली दृष्टि में लोकतांत्रिक व्यंग्य और युवा असंतोष की अभिव्यक्ति लग सकती हैं, लेकिन इनके दूरगामी प्रभावों की गंभीर समीक्षा आवश्यक है। यदि राजनीति उपहास, प्रतीकात्मक आक्रोश और डिजिटल उत्तेजना तक सीमित हो जाएगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होगी। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो प्रश्न भी पूछें और समाधान भी खोजें। जो विरोध भी करें और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी भी निभाएं। लोकतंत्र की शक्ति संघर्ष में नहीं-संवाद में है, विभाजन में नहीं-समन्वय में है और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं-दीर्घकालिक राष्ट्रहित में है। इसलिए समय की मांग है कि युवा, राजनीतिक दल और समाज सभी मिलकर यह विचार करें कि क्या 'कॉकरोच राजनीति' वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करेगी, या फिर वह भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति, राजनीतिक मर्यादाओं और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरेगी। यही प्रश्न आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है)।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गटर के कॉकरोच !

कभी बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन सिल्वर स्क्रीन पर कॉकरोच को लेकर शानदार कॉमेडी करते नजर आए थे । वे नशे में धुत्त होने के बाद कॉकरोच के सामने अपनी भड़ास निकालते अभिनय कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को लुभाते देखे गए थे । तब हमारे देश की जनता ने उसे एक फिल्म का दृश्य मानकर बात आई ..गई , हो गई कि तर्ज पर भुला दिया था । अब वही कॉकरोच एक बड़ी क्रांति के रूप में राजनीतिक गलियारों में कभी सीधा तो कभी उल्टा पलटकर सीधा होने के प्रयास में बिखरे - बिखरे टुकड़ों को जोड़ने का प्रयास करता दिख रहा है । जिस कॉकरोच को दूर से देखकर ही महिलाएं चीख पड़ती हैं , आज उसी कॉकरोच को पश्चिम बंगाल की तड़पती आत्मा और विदेशी धरती से भारत वर्ष की संस्कृति में पदार्पण करने वाली नेत्री ने अपने सुकोमल हाथों से सहलाना शुरू किया है ! क्या अब कॉकरोच भयाक्रांत करना छोड़ चुके हैं ? या फिर कॉकरोच को ही टुकड़े -टुकड़े दलों ने मजबूत जोड़ वाले फेविकोल के रूप में स्वीकार कर लिया है ? हमारे देश में इस वक्त बड़ा सवाल यह नहीं कि गरीब और औसत दर्जे वाले परिवारों को महंगाई से राहत कैसे और कब दिलाई जा सकेगी ? हमारे देशवासियों को चलने के लिए अच्छी सड़कें कब मिल पाएंगी ? बेरोजगारी का मंजर कब हमारे देश का पीछा छोड़ेगा ? राष्ट्रीय चिंता के रूप में सबसे बड़ी फिक्र इस बात की है कि ÷ कॉकरोच जनता पार्टी ÷ (सी जे पी) किस दल के साथ गठबंधन करेगी ?

मेरी कलम सोचती है कि ये वही कॉकरोच हैं , जिन्हें हम अपनी रसोई से बाहर भगाने तरह - तरह के जतन करते आ रहे हैं ! क्या मजाल कि कोई दवा (हिट सहित) इन्हें भगा सके ! ये कॉकरोच हमारे सोने का इंतजार करते रहते हैं । जैसे ही घरों की लाइटें बंद हुईं - अंधेरा इन्हें ऐसे एकत्र करता है , मानो कोई राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हो । मुझे तो ऐसा लगता है जैसे रात में गैस चूल्हों पर पूरी संसद एकत्र हो गई हो ! लोकतंत्र की रक्षा के लिए छोटे - बड़े , दुबले - पतले , भारी - भरकम शरीर वाले कॉकरोच अपनी -अपनी चिंता प्रकट कर रहे हों । इनकी आत्मा से निकलने वाली आवाजें एक साथ ऐसा संगीत तैयार करती हैं , जिनके आगे हमारी नींद भी हार जाती है ! एक युवक के दिमाग की उपज ने रातों - रात कॉकरोच जनता पार्टी बनाकर यहाँ -वहाँ भटक रहे लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया । पार्टी का चुनाव चिन्ह भी जल्द ही सोशल मीडिया पर लॉन्च किए जाने की तैयारी है । कुछ का मानना है कि चुनाव चिन्ह ऐसा होगा जो आम जनता को भावनात्मक रूप से अपनी ओर आकर्षित कर सके । मसलन - ÷ मोटा भाई की चप्पल से बचा हुआ कॉकरोच ! ÷ कुछ कॉकरोचों को यह जवाबदारी भी सौंपी गई है कि वे एक अच्छा सा नारा तैयार करें , जो मतदाताओं को बरगला सके । यह सुनने में आ रहा है कि एक संत से भय खाते हुए कॉकरोच के सरदार ने एक नारा तैयार भी कर लिया है । वह कुछ इस तरह बताया जा रहा है - ÷ हिंदुस्तान के हर घर की रसोई हमारी बंकर होगी , विकास के लिए नालियों और घुड़ादानों का निर्माण होगा ! ÷ अभी इस नारे पर मुहर लगना बाकी है ।

चुनाव की बिसात पर जीत का आधार प्रायः पार्टियों का घोषणा पत्र बनता आ रहा है । इसे मुख्य मुद्दा बनाते हुए कॉकरोच पार्टी से जुड़े एक पुराने दल के तोतानुमा नाक वाले नेता ने अपना घोषणा पत्र कुछ इस तरह बनाकर रख भी लिया है । उस नेता ने सबसे पहला पॉइंट कॉकरोचों की पसंद के अनुसार अंधेरे को चुनते हुए कहा है कि हमारी सत्ता आते ही सबसे बड़ा क्रांतिकारी परिवर्तन अंधेरे का साम्राज्य होगा ! वह इसलिए ताकि कॉकरोच हर घर में शान के साथ सम्मान पूर्वक अपना स्थान बना सके । मेडिकल स्टोर्स से लेकर कृषि वस्तु की दुकानों और मनिहारी दुकानों पर बेची जाने वाली हिट अथवा लाल रंग की उन दवाओं पर प्रतिबंध होगा जिससे कॉकरोच का जीवन संकट में पड़ता हो ! हर रसोई में रात के बचे हुए भोजन को तरीके से रखने का दिशा निर्देश जारी करते हुए उक्त भोजन को कॉकरोच राष्ट्रीय भोज का नाम दिया जायेगा ! किसी भी आम और खास के लिए यह आसान नहीं होगा कि वह रात्रि के दौरान किसी भी वक्त लाइट जला सके ! इसके लिए पहले से अनुमति लेनी होगी ! पार्टी का हर राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर का अधिवेशन किसी पुराने और जर्जर गोदाम में ही सम्पन्न किया जाएगा ताकि कॉकरोचों को बैठने के लिए स्थान की कमी न हो । वे दीवारों की दरार में घुसकर भी पार्टी के वरिष्ठ नेता का भाषण आसानी से सुन सकें ! कोकरोचों के अस्तित्व पर गहराई से मंथन करते हुए सत्ता से बाहर भटक रहे राजनीतिकार उनसे गठबंधन करने हाथ - पांव मारते दिखाई पड़ रहे हैं ! उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि कॉकरोच कभी खत्म नहीं होते ! बड़े से बड़ा सत्ता परिवर्तन हो सकता है । प्रधानमंत्री बदला जा सकता है । विचार धाराओं में समाज की मांग के अनुसार परिवर्तन आ सकते हैं । बावजूद इन सबके क्या मजाल कि कोई कॉकरोचों की सोच अथवा उनके अस्तित्व को मिटा सके ! कॉकरोच हर युग में जीवित थे , जीवित हैं और जीवित ही रहेंगे ! कॉकरोच प्रजाति की इसी अमरता से प्रभावित होकर अपनी राजनीति खो चुके नेता पुनः अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहते हैं ! मुझे डर है कि कहीं कॉकरोचों को देखकर अब महिलाएं अपना डर छोड़कर उन्हें दोनों हाथों को जोड़कर प्रणाम करना शुरू न कर दें ! कारण यह कि कौन सा कॉकरोच कब सांसद , विधायक या पार्षद बन जाए , कहा नही जा सकता है ! आजकल सोशल मीडिया ने कॉकरोच विचार को राजनीतिक व्यंग्य का स्वरूप प्रदान किया है । मिम्स के ज़रिए कुछ सच्चाई भी सामने आने लगी है । मसलन - ÷ हम वहीं जिंदा रहते हैं , जहाँ सिस्टम मर जाता है ! हमारा मुख्यालय वहीं होता है , जहाँ वाईफाई आसानी से चल पाए ! घोषणा पत्र का मुख्य बिंदु भी कम आकर्षक नहीं है - पहले सरवाइव करेंगे , फिर विकास की ओर अग्रसर होंगे ! इन सबके बीच सबसे चर्चित लाइन बन गई है - जब देश को गटर बनाओगे , तो कॉकरोच ही पैदा होंगे !

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

विकसित भारत का सपना और प्राथमिक शिक्षा की हकीकत

पहली नजर में यह दूरस्थ इलाकों तक शिक्षा पहुंचाने का प्रमाण लगता है, लेकिन यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतने छोटे और अलग-थलग स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कैसे संभव होगा? बहुस्तरीय कक्षाएं, सीमित संसाधन, कभी शिक्षक की अनुपस्थिति, कभी विषय विशेषज्ञों का अभाव- ये सब मिलकर शिक्षा को सिर्फ बच्चों की उपस्थिति तक सीमित कर देते हैं। ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में यह चुनौती और गहरी हो जाती है, जहां कई स्थानों पर स्कूल भवन मौजूद हैं, लेकिन प्रयोगशालाएं नहीं हैं। कंप्यूटर हैं, इंटरनेट नहीं, पुस्तकालय हैं, नियमित पठन संस्कृति नहीं।

(कुमार सिद्धार्थ)

देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को लेकर हाल के वर्षों में आई विभिन्न रिपोर्ट में यही संकेत दिया गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता आज भी चिंता का विषय बनी हुई है।

विद्यालय को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे जीवंत प्रवेश-द्वार भी माना जाता है। देश ने पिछले चार दशक में स्कूली शिक्षा के विस्तार की एक लंबी यात्रा तय की है। गांव-गांव स्कूल पहुंचे, नामांकन बढ़ा, बालिका शिक्षा में सुधार हुआ, बिजली, शौचालय, कंप्यूटर और स्मार्ट कक्षाओं जैसी सुविधाएं बढ़ीं। मध्याह्न भोजन, निशुल्क पाठ्यपुस्तकें, छात्रवृत्तियां, स्कूल परिवहन, डिजिटल संसाधन और समग्र शिक्षा जैसी योजनाओं ने शिक्षा के विस्तार को गति दी है। मगर इस पूरी कवायद में एक गहरा अभाव आज भी दिखाई देता है और वह है शिक्षा की गुणवत्ता।

इस संदर्भ में देखें तो वर्तमान में देश में लगभग 14.7 लाख सरकारी स्कूल, 24 करोड़ से अधिक विद्यार्थी और करीब एक करोड़ शिक्षक हैं। आकार के लिहाज से यह दुनिया की सबसे बड़ी स्कूली शिक्षा व्यवस्थाओं में से एक है। मगर इतनी विशाल व्यवस्था का वास्तविक मूल्यांकन भवनों, योजनाओं और नामांकन से नहीं, बल्कि इस कसौटी पर होना चाहिए कि क्या बच्चों को वास्तव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पा रही है?

नीति आयोग की ओर से हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने स्कूलों तक पहुंच की लड़ाई काफी हद तक जीत ली है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की लड़ाई अब भी अधूरी है।

रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में आज भी एक लाख से अधिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक है। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था के कमजोर पक्ष का आईना है। इन स्कूलों में एक ही शिक्षक पहली से पांचवीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों को पढ़ाता है, जिसके ऊपर मध्याह्न भोजन की निगरानी, सरकारी पोर्टलों पर डेटा अपलोड करने और प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी भी है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि शिक्षक सिर्फ पाठ्य पुस्तकें नहीं पढ़ाते, वे सीखने का वातावरण भी रचते हैं। वे जिज्ञासा को दिशा देते हैं, बच्चों में आत्मविश्वास जगाते हैं और कक्षा को संवाद का जीवंत मंच बनाते हैं। मगर जब वही शिक्षक मूल उद्देश्य से इतर कार्यों में उलझ जाता है, तो कक्षा में ज्ञान का संवाद स्वाभाविक रूप से कमजोर पड़ता है। शिक्षा तब सीखने और सिखाने के बजाय पाठ्यक्रम पूरा करने की प्रक्रिया बनकर रह जाती है।

नीति आयोग की रिपोर्ट का एक अन्य पहलू छोटे स्कूलों पर केंद्रित है। देश के लगभग 35 फीसद विद्यालयों में पचास से कम विद्यार्थी हैं। इनमें से

हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां दस से भी कम बच्चे पढ़ते हैं। पहली नजर में यह दूरस्थ इलाकों तक शिक्षा पहुंचाने का प्रमाण लगता है, लेकिन यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतने छोटे और अलग-थलग स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कैसे संभव होगा? बहुस्तरीय कक्षाएं, सीमित संसाधन, कभी शिक्षक की अनुपस्थिति, कभी विषय विशेषज्ञों का अभाव- ये सब मिलकर शिक्षा को सिर्फ बच्चों की उपस्थिति तक सीमित कर देते हैं। ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में यह चुनौती और गहरी हो जाती है, जहां कई स्थानों पर स्कूल भवन मौजूद हैं, लेकिन प्रयोगशालाएं नहीं हैं। कंप्यूटर हैं, इंटरनेट नहीं, पुस्तकालय हैं, नियमित पठन संस्कृति नहीं। यानी शिक्षा का ढांचा खड़ा है, पर उसके भीतर सीखने की आत्मा अभी भी कमजोर दिखाई देती है।

देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को लेकर हाल के वर्षों में आई विभिन्न रिपोर्ट में यही संकेत दिया गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। तीसरी-चौथी कक्षा का बच्चा दूसरी कक्षा का पाठ सहजता से नहीं पढ़ पा रहा। पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों का एक बड़ा हिस्सा सरल भाग, प्रतिशत या अनुपात जैसी बुनियादी गणितीय समझ में संघर्ष करता दिखाई देता है। इसलिए स्कूलों में केवल नामांकन बढ़ाना पर्याप्त नहीं, सीखना शिक्षा का असली पैमाना है। यह स्थिति उस बुनियादी संकट का संकेत है, जो आगे चलकर माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा और रोजगार क्षमता तीनों को प्रभावित करता है। जब नींव कमजोर होती है, तो आगे की पूरी शैक्षिक संरचना अस्थिर हो जाती है। यही कारण है कि आज उद्योग जगत भी युवाओं में कौशल के अभाव की बात करता है।

दो दशक पहले की बात की जाए, तो तब देश के अधिकांश बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे। मगर आज स्थिति बदल रही है। वर्ष 2005 में जहां लगभग 71 फीसद बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा घटकर 49.24 फीसद रह गया है। यानी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का अनुपात आधे से नीचे चला गया है।

ग्रामीण परिवार, जो कभी सरकारी विद्यालय को स्वाभाविक विकल्प मानते थे, अब सीमित आय के बावजूद निजी स्कूलों की ओर देख रहे हैं। यह केवल विकल्प में परिवर्तन नहीं, बल्कि भरोसे के संकट को दर्शाता है। अभिभावक अक्सर अंग्रेजी माध्यम, अनुशासन, नियमित उपस्थिति और अपेक्षाकृत बेहतर जवाबदेही को निजी स्कूलों से जोड़कर देखते हैं, भले ही वास्तविक गुणवत्ता हर जगह समान न हो। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सरकारी विद्यालय ही सामाजिक न्याय, अवसर की समानता और लोकतांत्रिक शिक्षा के सबसे बड़े माध्यम रहे हैं। यदि इन संस्थानों पर भरोसा कम होता है, तो शिक्षा के साथ लोकतंत्र की बुनियाद भी कमजोर होती है।

शिक्षा के माध्यमिक स्तर पर स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों को स्कूल तक लाने में तो सफलता मिली है, लेकिन जैसे-जैसे कक्षाएं ऊपर की ओर जाती हैं, बच्चे छूटते जाते हैं। माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने की दर ग्यारह फीसद से अधिक है। विशेष रूप से लड़कियां, आदिवासी समुदाय और प्रवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे सबसे पहले स्कूली शिक्षा से बाहर होते हैं। इसके पीछे केवल आर्थिक कारण ही नहीं हैं, बल्कि किशोरावस्था में सामाजिक दबाव, बाल विवाह, सुरक्षित परिवहन की कमी, विज्ञान और गणित शिक्षकों का अभाव, स्थानीय स्तर पर करिअर मार्गदर्शन की कमी और परिवारों का जागरूक न होना भी इस संकट को गहरा करता है। इसके अलावा शिक्षकों के खाली पद वर्षों तक नहीं भरे जाते। कई राज्यों में अतिथि शिक्षक और संविदा शिक्षक व्यवस्था को स्थायी समाधान बनाया जा रहा है।

ऐसे में शिक्षकों की समयबद्ध नियुक्ति, छोटे स्कूलों का तर्कसंगत पुनर्गठन, स्कूल नेतृत्व को मजबूत करना, डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग, सीखने के परिणामों की नियमित निगरानी और शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण जैसे ठोस कदम उठाने की जरूरत है। असली बदलाव तब होगा, जब जिला शिक्षा कार्यालय से लेकर कक्षा-कक्ष तक जवाबदेही की संस्कृति आकार लेगी। विडंबना यह है कि देश में शिक्षा सुधार का संकट नीति का कम और क्रियान्वयन का अधिक रहा है। योजनाएं बनती हैं, बजट स्वीकृत होते हैं, लक्ष्य तय होते हैं, लेकिन जमीन पर उनका असर प्रभावी एवं समान रूप से नहीं दिखाई देता। भारत वर्ष विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा पर त्वरित अमल, ग्रामीणों की मांगों को मिली स्वीकृति

सुशासन तिहार में किए गए वादे हो रहे पूरे, पंचायत भवन, पीडीएस भवन और मुक्तिधाम निर्माण को मिली मंजूरी

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार केवल जनसंवाद का मंच नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं को शीघ्रता से पूरा करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। आम नागरिकों की समस्याओं और मांगों के त्वरित निराकरण के लिए राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सरगुजा प्रवास के दौरान ग्रामीणों की मांगों पर की गई घोषणाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर अमल में लाया गया है। उल्लेखनीय है कि 03 मई 2026 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार के अंतर्गत सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे थे। जन चौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली तथा विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं की थीं। मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। ग्राम सिलमा में डीएमएफ एवं मनरेगा के अभिसरण से 18.30 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवन, डीएमएफ मद से 2.50 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम तथा मनरेगा मद से 11.63 लाख रुपये की लागत से नवीन पीडीएस भवन निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसी प्रकार ग्राम कुनकुरीकला में डीएमएफ एवं मनरेगा के अभिसरण से 18.30 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणाओं पर त्वरित अमल के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया है। उनका कहना है कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और प्रशासन सीधे जनता तक पहुंचकर न केवल समस्याएं सुन रहा है, बल्कि उनके समाधान के लिए समयबद्ध कार्रवाई भी सुनिश्चित कर रहा है। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त मांगों और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे विकास कार्यों का लाभ समय पर आमजन तक पहुंच रहा है और सुशासन की अवधारणा जमीनी स्तर पर साकार हो रही है।

महराजबंध तालाब के किनारे अवैध कब्जे बंद, तालाब को पाटने या अवैध कब्जे पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

रायपुर। रायपुर में महराजबंध तालाब के किनारे हो रहे अवैध कब्जों को बंद कराया गया है। अवैध कब्जों को लेकर प्राप्त शिकायतों पर रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक-6 की टीम द्वारा स्थल निरीक्षण करने पर पाया गया कि संबंधित भू-स्वामी द्वारा तालाब क्षेत्र में मुरूम, मिट्टी आदि सामग्री डाली गई थी। इस पर जोन कार्यालय द्वारा संबंधित व्यक्तियों को नियमानुसार नोटिस जारी कर तत्काल बंद करने के लिए हेतु निर्देशित किया गया। नगर निगम के निर्देश पर संबंधित भू-स्वामी द्वारा तालाब क्षेत्र में डाली गई सामग्री को हटाया गया है। उसे आगे किसी प्रकार का भराव कार्य न किए जाने के लिए कड़ी चेतावनी दी गई है। जोन क्रमांक-6 के आयुक्त ने बताया कि वर्तमान में महराजबंध तालाब में भराव व कब्जा संबंधी सभी कार्य बंद हैं। इस पर जोन कार्यालय द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। भविष्य में किसी प्रकार का अवैध भराव या कब्जा पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नाले से तालाब में आने वाले कचरे की निरंतर सफाई भी करवाई जा रही है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष : विकसित भारत की नींव भाटापारा में भाजपा ने गिनाई ऐतिहासिक उपलब्धियां

भाटापारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा भाटापारा स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा,2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली थी, तब भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हम 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और तीसरी बनने की ओर अग्रसर हैं। ये 12 साल भारत के इतिहास का स्वर्णिम काल है। गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार ने अंत्योदय के मंत्र को धरातल पर उतारा है। गरीब कल्याण की बात हो तो 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 4 करोड़ से अधिक पीएम आवास, 12 करोड़ शौचालय, 10 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिए गए। किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि से 6 हजार सालाना, एमएसपी में ऐतिहासिक बढ़ोतरी और धान पर बोनस दिया गया। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, लखपति दीदी योजना, 3 करोड़ ड्रोन दीदी का लक्ष्य रखा गया है। युवाओं के लिए मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया से रोजगार के नए अवसर बने। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 की समाप्ति, राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक पर कानून, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे निर्णयों से भारत का मस्तक पूरी दुनिया में ऊंचा हुआ है। भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीति की दिशा और दशा दोनों बदल दी। पहले योजनाएं कागजों पर बनती थीं, अब सीधे गरीब के घर तक पहुंचती हैं। छत्तीसगढ़ और भाटापारा की जनता ने भी इसका लाभ उठाया है। जनधन खाते, आयुष्मान भारत, हर घर जल, पीएम आवास - हर योजना में भाटापारा अग्रणी रहा है। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा, मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोरोना जैसी महामारी को हराया, करोडो वैक्सीन मुफ्त लगाई और दुनिया की मदद भी की। आज भारत ज20 की अध्यक्षता कर चुका है, चंद्रयान चांद पर पहुंचा है। ये नया भारत है जो न झुकता है, न रुकता है। 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 60 साल पर मोदी के 12 साल भारी हैं। कांग्रेस ने सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया, मोदी जी ने गरीबी हटाई है। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव ने कहा कि संगठन स्तर पर मंडल से लेकर बूथ तक मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ. सनम जांगड़े, राकेश तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, टेशूलाल धुरंधर, राजीव सिंह, राहुल सोनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साढ़े चार करोड़ की पुलिया बनी परेशानी का सबब, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

केशकाल। साढ़े चार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। समय सीमा भी खत्म हो चुकी है, लेकिन पुलिया अब तक अधूरी पड़ी है। कोंडागांव जिले के बड़े राजपुर ब्लॉक में बन रही भवरडीग नदी की उच्च स्तरीय पुलिया भ्रष्ट व्यवस्था, सुस्त निर्माण एजेंसियों और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े कर रही है। हाल ही में पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव ने लापरवाह ठेकेदारों पर कार्रवाई का डंडा चलाया है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। की टीम पहुंची ग्राउंड जीरो पर, जहां ग्रामीणों का गुस्सा साफ दिखाई दिया। ये तस्वीरें कोंडागांव जिले के बड़े राजपुर ब्लॉक की हैं। जहां ग्राम पलना ठेंगापारा-कुंदई मार्ग पर भवाडीह नदी में साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। वर्ष 2024 में शुरू हुआ यह काम मार्च 2025 तक पूरा होना था, लेकिन तय समय सीमा बीतने के बावजूद निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। मौके पर पहुंची की टीम ने जब निर्माण कार्य का जायजा लिया तो चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई।

करोड़ों रुपये की लागत से बन रही पुलिया का काम पचास प्रतिशत भी पूरा नहीं हुआ है। सवाल यह है कि आखिर निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी कहां है? और जनता के पैसे से बनने वाली इस परियोजना की जवाबदेही कौन तय करेगा? इस पुलिया के अधूरे रहने की सबसे बड़ी कीमत ग्रामीण चुका रहे हैं। यह मार्ग उड़ीसा को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, लेकिन निर्माण की सुस्त रफ्तार ने हजारों लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। खेती-किसानी का सीजन चल रहा है, किसानों को खाद-बीज और जरूरी सामान लाने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीण सतीश नेताम, रामसाय यादव और अमीर मरकाम ने बताया कि सिर्फ किसान ही नहीं, स्कूली बच्चे भी इस लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं। पुलिया नहीं बनने के कारण बच्चों को रोजाना करीब दस किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय विधायक और अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन उनकी आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। हाल ही में पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव ने विभागीय निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान आधा दर्जन से अधिक ठेकेदारों को नोटिस जारी किया और दो ठेकेदारों का अनुबंध भी निरस्त कर दिया। अब सवाल यह है कि क्या भवाडीह पुलिया निर्माण में बरती जा रही लापरवाही पर भी कार्रवाई होगी? या फिर ग्रामीणों को सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहेगा?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहायक है, मानव बुद्धि का विकल्प नहीं : डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका डॉ सी.वी. रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं आईसेक्ट इंडिया ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर डेका ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और इसके साथ तकनीक भी निरंतर विकसित हो रही है। ऐसे समय में तकनीक का उपयोग मानव कल्याण, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक युग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो चिकित्सा, कृषि, अर्थव्यवस्था और शिक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में मानव की सहायक बन सकती है, लेकिन यह मानव बुद्धि, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। तकनीक को जीवन में सहायक के रूप में अपनाया जाना चाहिए न कि उसे किसी खतरे के रूप में स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एआई और अन्य नई तकनीकों का उपयोग नवाचार तथा समाज हित के कार्यों में करें। अपने संबोधन में उन्होंने इंटरनेट के बढ़ते उपयोग पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके सकारात्मक प्रभावों के साथ-साथ नकारात्मक पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। डिजिटल एडिक्शन न हो यह कोशिश करनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि मानव सभ्यता का विकास सदैव नवाचार और वैज्ञानिक खोजों के माध्यम से हुआ है। जिस प्रकार अग्नि की खोज ने मानव जीवन को नई दिशा दी, उसी प्रकार आधुनिक विज्ञान और तकनीक भविष्य के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग समय की मांग है। स्टार्टअप और नवाचार केवल आर्थिक प्रगति के साधन नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम भी हैं। नवाचार के जरिए दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाया जा सकता है, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं तथा समाज को नई संभावनाओं से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और इको-फ्रेंडली जीवनशैली को अपनाने पर जोर दिया। पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को अपनाना आज की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक समृद्ध आदिवासी संस्कृति और अपार संभावनाओं वाला राज्य है। यहां के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और अवसरों से जोड़ने की है। उन्होंने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कृषि, वन उत्पाद, उद्योग और सेवा क्षेत्र सहित प्रत्येक क्षेत्र में वैल्यू एडिशन पर विशेष जोर देना होगा। राज्यपाल ने कहा कि भारत के गांवों तक तकनीक और नवाचार का लाभ पहुंचाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एआई की पढ़ाई प्रारंभ की गई है। जिस तरह देश आगे बढ़ रहा है इस तरह तकनीकी क्षेत्र में भी राज्य को आगे बढ़ा रहे हैं। आज कंपनियों को जिस तरह के कोर्स की आवश्यकता है उसी के अनुरूप तकनीकी संस्थानों में कोर्स संचालित करने के प्रयास हो रहे हैं। सरकार युवाओं को हर तरह से सक्षम बनाने का प्रयास कर रही है जिससे युवा जाब मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बने। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने एआई के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। कॉन्क्लेव में पद्मश्री अजय मांडवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी अपना प्रेरक उदबोधन दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने एआई कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आम नागरिकों को एआई की उपयोगिता, संभावनाओं और रोजगार के अवसरों की जानकारी देगा। विशेष कर ग्रामीण युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जेनरेटिव एआई की निशुल्क व्यवहारिक शिक्षा देने के लिए यह अत्याधुनिक मोबाइल लैब तैयार किया गया है। इस अवसर पर राज्यपाल ने आईसेक्ट के वार्षिक प्रतिवेदन एवं कौशल रथ व एआइ पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया।

शासन ने रिडेवलपमेंट योजना अंतर्गत शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड के सामने तथा अन्य कुल पांच परियोजनाओं का टेण्डर हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल राज्य के विभिन्न शहरों में 5 प्रमुख रिडेवलपमेंट परियोजनाओं की शुरुआत करने जा रहा है। यह पहल छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शहरी विकास, शासकीय परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग तथा आधुनिक नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजनाएं राज्य की रिडेवलपमेंट नीति के तहत विकसित की जाएंगी। इसके लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग को नोडल विभाग तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को क्रियान्वयन एजेंसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रिडेवलपमेंट परियोजनाओं के तहत मंडल द्वारा प्री-प्रोजेक्ट रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किए गए हैं। साथ ही निजी डेवलपर्स के चयन के लिए पारदर्शी निविदा प्रक्रिया तथा परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यवस्था की गई है। 30 जून 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इसके बाद 27 मई 2026 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इन पाँचो परियोजनाओं के अंतिम स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई एवं चर्चा उपरांत अनुमोदन दिया गया। प्रस्तावित परियोजनाओं का कुल क्षेत्रफल लगभग 19.14 एकड़ है तथा वर्ष 2025-26 की संशोधित गाइडलाइन दरों के अनुसार इनका अनुमानित मूल्य लगभग 250.30 करोड़ रुपये है। ये परियोजनाएं बी.टी.आई. रोड शंकर नगर रायपुर, क्लब पारा महासमुंद, कैलाश नगर राजनांदगांव, कटघोरा कोरबा तथा चांदनी चौक फेज-2 जगदलपुर में विकसित की जाएंगी। इन पांचो रिडेवलपमेंट योजनाओं का टेण्डर बोर्ड द्वारा जारी कर दिया गया है। राजधानी रायपुर में प्रस्तावित परियोजना विशेष महत्व रखती है। यह परियोजना शहर के प्रमुख और विकसित क्षेत्र शंकर नगर बी.टी.आई. ग्राउंड, के समीप सिंधु भवन के बाजू में स्थित है। यह क्षेत्र शैक्षणिक, प्रशासनिक, व्यावसायिक और आवासीय गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। परियोजना के विकसित होने से क्षेत्र में आधुनिक अधोसंरचना का विस्तार होगा तथा शासकीय परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। रिडेवलपमेंट मॉडल के तहत जर्जर और अनुपयोगी सरकारी परिसंपत्तियों के स्थान पर आधुनिक एवं सुव्यवस्थित अधोसंरचना विकसित की जाएगी। इन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त वित्तिय भार की आवश्यकता नहीं होगी। शासकीय भूमि के मूल्य का उपयोग ही परियोजनाओं के वित्तीय संसाधन के रूप में किया जाएगा। इससे शासकीय भूमि का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित होने के साथ राज्य को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। यह पहल निजी डेवलपर्स के लिए भी आकर्षक अवसर प्रदान करती है। उन्हें शहरों के प्रमुख क्षेत्रों में स्थित प्राइम लोकेशन वाली भूमि पर परियोजनाएं विकसित करने का अवसर मिलेगा। स्पष्ट नीति, पारदर्शी निविदा प्रक्रिया और सरकारी एजेंसी के साथ साझेदारी से परियोजनाओं में विश्वास और स्थिरता सुनिश्चित होगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 5 गांवों में लगाई चौपाल, 56 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की, युवाओं को दिए क्रिकेट किट

लोरमी। उप मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक अरुण साव ने लोरमी के खेकतरा, कुम्हरौली, मोहतरा कुर्मी, पीपरखुंटा और औराबांधा में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने इन गांवों में 56 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने जनचौपाल में ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने इस दौरान मोदी सरकार और साय सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने गांववालों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित भी किया। उप मुख्यमंत्री साव ने खेकतरा में महामाया मंदिर में ज्योति कलश भवन का लोकार्पण कर ग्रामवासियों को समर्पित किया। उन्होंने औराबांधा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन एवं खाद्यान्न भंडारण भवन का लोकार्पण किया। साव ने पांचों गांवों के युवाओं को क्रिकेट किट भी प्रदान किया। उन्होंने युवाओं को खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

वन मंत्री ने किया जिला केंद्रीय सहकारी बैंक नारायणपुर शाखा का उद्घाटन

नारायणपुर। जिले में एक महत्वपूर्ण विकास कार्य का लोकार्पण किया गया। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, नारायणपुर की नवीन शाखा भवन का लोकार्पण वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप द्वारा विधिवत रूप से किया गया। लगभग 36 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह आधुनिक भवन अब जिले के नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, बैंक अधिकारी, सहकारी समितियों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ की गई। वन मंत्री ने फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर भवन का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं और यह शाखा जिले के किसानों, मजदूरों एवं छोटे व्यापारियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि अंतिम व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं सरल और सुलभ तरीके से पहुंचें। वन मंत्री ने आगे कहा कि इस नई शाखा के शुरू होने से जिले के लोगों को ऋण लेने, जमा-निकासी करने तथा कृषि संबंधी सुविधाओं का लाभ लेने में अब अधिक सुविधा होगी। विशेषकर किसानों को खाद, बीज एवं कृषि उपकरणों की खरीद के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि सहकारी बैंकिंग प्रणाली किसानों को सस्ती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस शाखा के माध्यम से कृषि ऋण, पशुपालन ऋण, स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता और अधिक प्रभावी ढंग से दी जा सकेगी। इस अवसर पर बैंक के अधिकारियों ने जानकारी दी कि नई शाखा में आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। ग्राहकों के लिए सुव्यवस्थित काउंटर, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं, और पारदर्शी लेन-देन प्रणाली की व्यवस्था की गई है। इससे ग्राहकों को बेहतर और त्वरित सेवाएं मिल सकेंगी। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत किया और कहा कि पहले उन्हें बैंकिंग कार्यों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की काफी बर्बादी होती थी। लेकिन अब इस शाखा के खुलने से उनकी समस्याएं काफी हद तक कम हो जाएंगी। कार्यक्रम के अंत में वन मंत्री ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बैंक को जनता के हित में और अधिक सक्रियता से कार्य करना चाहिए। तथा पारदर्शिता और सेवा भाव को सर्वोपरि रखना चाहिए। इस प्रकार नारायणपुर जिले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की यह नई शाखा न केवल एक भवन का लोकार्पण है।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत की बैठक 22 जून को

बिलासपुर। जिला पंचायत की बैठक 22 जून 2026 को आहूत की गई है। इसके अंतर्गत सामान्य सभा की बैठक दोपहर 12 बजे एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक शाम 4 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी करेंगे। सामान्य सभा की बैठक में कृषि, शिक्षा, खाद्य, स्वास्थ्य, वन, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में पूर्व बैठक का पालन प्रतिवेदन, आय-व्यय की जानकारी एवं खनिज विभाग अंतर्गत योजनाओं की जानकारी एवं समीक्षा तथा अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

18 जून से तीन दिवसीय पंजीयन शिविर विभिन्न योजनाओं का मिलेगा लाभ

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 18 जून से 20 जून 2026 तक अनुविभाग स्तर पर वृहद पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर बिल्हा के नगर पंचायत सांस्कृतिक भवन, मस्तूरी के सामुदायिक भवन, तखतपुर के प्राथमिक शाला बुटेना तथा कोटा के नगर पंचायत सांस्कृतिक भवन में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पंजीयन, त्रुटि सुधार एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण की व्यवस्था की जाएगी। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार आयोजित इन शिविरों में केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविरों में आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, पीएम कौशल विकास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं के लिए नवीन पंजीयन, पात्रता संबंधी मार्गदर्शन तथा हितग्राही सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन द्वारा शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इनका लाभ उठा सकें। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने नजदीकी शिविर स्थल पर पहुंचकर शासन की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा पात्रता अनुसार पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ लें। इन शिविरों के माध्यम से जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और योजनाओं की पहुंच को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

दिव्यांगजनों को 15 जुलाई से मिलेगा व्यावसायिक प्रशिक्षण

बिलासपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा शासकीय आश्रयदत्त कर्मशाला तिफरा में 15 से 35 वर्ष की आयु के अस्थिबाधित एवं श्रवणबाधित दिव्यांग छात्र एवं छात्राओं को 15 जुलाई 2026 से व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इच्छुक छात्र एवं छात्राएं आर्मेचर वाईडिंग एवं इलेक्ट्रिकल, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, स्क्रीन एवं प्रिंटिंग एवं कम्प्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण के लिए शैक्षणिक योग्यता 5वीं से 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है।

श्रमकार्ड धारकों को 30 जून तक ई-केवायसी करवाना अनिवार्य

बिलासपुर। श्रम विभाग द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी 30 जून 2026 कराना अनिवार्य किया गया है। पंजीकृत श्रमिक ई-केवाईसी अपने निकटतम चॉइस सेंटर अथवा लोक सेवा केंद्र में जाकर कर सकते है। प्रक्रिया के दौरान आधार प्रमाणीकरण, बायोमेट्रिक सत्यापन, लाइव फोटो संकलन तथा विभागीय अभिलेखों से जानकारी का मिलान किया जाएगा। ई-केवाईसी कार्य के लिए प्रति पंजीयन 20 रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

गणेश नगर में युवक की निर्मम हत्या, गली में मिला खून से लथपथ शव, पत्थर से कुचलने की आशंका

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के नयापारा स्थित गणेश नगर में मंगलवार सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गली के बीचों-बीच शव पड़े होने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान गणेश नगर निवासी इरफान बघीरा के रूप में हुई है। सुबह जब मोहल्ले के लोग घरों से बाहर निकले तो उन्होंने गली में युवक का शव पड़ा देखा। शव के आसपास बड़ी मात्रा में खून फैला हुआ था, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिरगिट्टी पुलिस, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पुलिस ने शव के पास से खून से सने सीमेंट के दो बड़े पोलनुमा पत्थर बरामद किए हैं।

जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों का किया गया सम्मान

जैविक खेती से गांव होंगे समृद्ध,किसान बनेंगे आत्मनिर्भर-साव

■ आत्मा योजना अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में जैविक कृषि कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज यहां कृषि विभाग की एक्सटेंशन रिफॉर्म्स (आत्मा) योजना अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में आयोजित जैविक कृषि कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से गांव समृद्ध होंगे और किसान आत्मनिर्भर बनेंगे। उप मुख्यमंत्री ने किसानों से जैविक खेती अपनाने का आहवान भी किया।कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता संतोष कश्यप, सभापति श्रीमती अंबालिका साहू, श्रीमती अनुसुइया जागेंद्र कश्यप, रतनपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप, ,नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल, डॉ आर के एस तोमर, श्री राजेश सिंह, श्री राकेश तिवारी, श्री धीरेंद्र दुबे, श्री दिनेश कौशिक सहित जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि किसान धरतीपुत्र हैं और कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि गांवों की समृद्धि, किसानों की खुशहाली और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जैविक खेती समय की आवश्यकता है, क्योंकि रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव भूमि की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य दोनों पर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने किसानों से जैविक खेती को अपनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा पशुपालन और गौसंवर्धन को कृषि व्यवस्था का

अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांवों में आपसी सहयोग और सामुदायिक सहभागिता से ही आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है जिनसे किसानों को आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि गांवों को फिर से समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति गांव, किसान और जनभागीदारी में निहित है। किसानों का परिश्रम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने किसानों से परंपरागत खेती के साथ-साथ विविध एवं रसायनमुक्त खेती को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण ही समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. गीत शर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती उत्पादन लागत कम करने, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यशाला के दौरान जैविक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसान श्री जदूनंदन साहू, श्री हजारीलाल पटेल, श्रीमती श्रद्धा मिश्रा एवं श्रीमती शिल्पी राजपूत सहित अन्य किसानों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कृषि विशेषज्ञ श्री बृजलाल राठौर ने जैविक खेती की तकनीकों, लाभों एवं संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी।

नए शिक्षा सत्र के पहले दिन बिलासपुर में शुरू हुई यातायात की पाठशाला.....

बिलासपुर। नए शिक्षा सत्र 2026-27 के शुभारंभ के साथ ही यातायात पुलिस बिलासपुर ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए विशेष पहल करते हुए यातायात की पाठशाला कार्यक्रम शुरू किया है। पहले ही दिन सरकंडा स्थित ड्रीमलैंड हायर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक बनने का पाठ पढ़ाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस महानिरीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) रामगोपाल करियारे के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों के पालन पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे ने कहा कि सड़क पर हमारी छोटी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए वाहन चलाते समय सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों का हर हाल में पालन करना आवश्यक है। इस अवसर पर यातायात के मास्टर ट्रेनर एवं पूर्व उप निरीक्षक उमाशंकर पांडे ने विद्यार्थियों को यातायात संकेतों, सड़क पर सुरक्षित चलने के नियमों, दुर्घटनाओं के कारणों और उनके निवारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राहवीर (गुड सेमेरिटन) योजना और इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) की भी जानकारी साझा की। यातायात पुलिस ने कार्यक्रम में शामिल सभी छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा जागरूकता का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया। विद्यार्थियों को अपने परिवार और आसपास के लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में नाबालिग बच्चों द्वारा बिना लाइसेंस वाहन चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर विशेष चिंता व्यक्त की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बिना लाइसेंस और पर्याप्त अनुभव के वाहन चलाना न केवल उनके लिए बल्कि दूसरों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है। साथ ही ऐसे मामलों में अभिभावकों की कानूनी जिम्मेदारी और संभावित कार्रवाई की जानकारी भी दी गई। यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों के माध्यम से आम नागरिकों को संदेश दिया कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

मल्हार पुलिस की कार्रवाई: 93 पौवा देसी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज

बिलासपुर। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मल्हार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 93 नग देसी प्लेन शराब, कुल 16 लीटर 740 मिलीलीटर शराब बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम ठाकुरदेवा में लंबे समय से अवैध शराब बिक्री की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान 15 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ठाकुरदेवा निवासी अंजोर दास बंसल (35 वर्ष) अपने घर के पास अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना की पुष्टि होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित कर ग्राम ठाकुरदेवा में दबिश दी गई। पुलिस ने आरोपी के घर के पास घेराबंदी की, जहां आरोपी शराब को छिपाने का प्रयास कर रहा था। इस दौरान पुलिस ने उसे मौके से 93 नग देसी प्लेन शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब को विधिवत जप्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के

तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अवधेश सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज राजपूत, नुवास तिग्गा तथा आरक्षक रमेश साहू, किशन राय और विकास अंचल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बिलासपुर में दिल दहला देने वाली वारदात, पति ने पत्नी पर धारदार चापड़ से हमला कर की हत्या

बिलासपुर। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसमें बंचू राम सोनवानी (पिता पूनऊ राम सोनवानी), उम्र 64 वर्ष, निवासी दीनदयाल कॉलोनी, संगम नगर, बिलासपुर ने अपने ही घर में अपनी पत्नी पर धारदार चापड़ से हमला कर दिया। इस हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी को अपनी पत्नी का अन्य लोगों से बातचीत करना पसंद नहीं था। इसी

बात को लेकर घर में तनाव की स्थिति बनी रहती थी। परिजनों ने यह भी बताया है कि आरोपी की मानसिक स्थिति लंबे समय से ठीक नहीं चल रही थी। घटना की सूचना मिलते ही थाना सिविल लाइन पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आगे की जांच में घटना के कारणों और परिस्थितियों की विस्तृत जानकारी सामने आने की संभावना है।

जैविक खेती से आत्मनिर्भर कृषि और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव : अमर अग्रवाल....

बिलासपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री श्री अमर अग्रवाल ने अग्रसेन चौक स्थित श्री शिवम मॉल में नवप्रारंभित दक्षिणेश्वरम कैफे के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित होकर प्रतिष्ठान के सफल संचालन, निरंतर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की स्थापना स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करती है तथा शहर के व्यापारिक विकास को नई गति प्रदान करती है। इसके पश्चात श्री अग्रवाल सरकंडा स्थित कृषि महाविद्यालय परिसर में आयोजित जैविक कृषि कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को समय की आवश्यकता बताते हुए इसके व्यापक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री

अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र को अधिक समृद्ध, आधुनिक एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्राकृतिक खेती, जैविक उत्पादन, किसान हितैषी योजनाओं तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि किसान आधुनिक तकनीक के साथ-साथ प्रकृति के अनुकूल खेती की पद्धतियों को भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती केवल खेती का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। इससे उत्पादन लागत में कमी आती है, भूमि की उर्वरता एवं जैव विविधता संरक्षित रहती है, पर्यावरण संतुलन मजबूत होता है तथा लोगों को रसायनमुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध होता है। यह खेती आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी प्रभावी माध्यम है। श्री अग्रवाल ने किसानों से जैविक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत के निर्माण में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है और प्राकृतिक खेती इस दिशा में एक सशक्त माध्यम बन सकती है।

निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग एवं रतनपुर बाईपास का सचिव मुकेश बंसल ने किया गया निरीक्षण

■ गुणवत्ता से समझौता नहीं, खामियां दूर कर पुनः निर्माण कराने के निर्देश

बिलासपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश बंसल ने आज बिलासपुर जिले में निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग के ईएनसी श्री वी.के. भतपहरी, मुख्य अभियंता श्री आर.के. रात्रे, मुख्य अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग श्री ज्ञानेश्वर कश्यप, मुख्य अभियंता ई एंड एम श्री जी.एस. मंडावी, अधीक्षण अभियंता श्री के.पी. संत एवं श्री एन.के. लाल सहित विभागीय अधिकारी एवं ठेकेदार उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान सचिव श्री बंसल ने राष्ट्रीय राजमार्ग डिवीजन द्वारा रतनपुर से कबीर चौरा तक निर्मित की जा रही सड़क का अवलोकन किया। लगभग 510 करोड़ रुपये की लागत से 97 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। परियोजना पूर्ण होने पर बिलासपुर, रतनपुर, कोटा, पेंड्रा और गौरेला क्षेत्र के बीच आवागमन अधिक सुगम होगा तथा यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही व्यापारिक गतिविधियों एवं क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। श्री बंसल ने इस प्रकल्प के तहत बन रहे लगभग 7 किलोमीटर लंबी रतनपुर बाईपास सड़क का भी निरीक्षण किया। यह बाईपास रतनपुर नगर में भारी वाहनों के दबाव को कम करने, यातायात को सुचारू बनाने तथा

दुर्घटनाओं की संभावना को घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाईपास के निर्माण से लंबी दूरी के वाहनों को नगर क्षेत्र में प्रवेश किए बिना आवागमन की सुविधा मिलेगी, जिससे यात्रा समय और ईंधन की बचत भी होगी। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर निर्माण गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर सचिव ने संबंधित ठेकेदार को आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण होने तक संबंधित भुगतान रोककर रखा जाए। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ स्थानों पर भूमि अर्जन संबंधी प्रकरणों के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। इस पर सचिव ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके। सचिव श्री बंसल ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क परियोजनाएं क्षेत्र के विकास और जनसुविधा से सीधे जुड़ी हैं। इसलिए सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किए जाएं, ताकि आम नागरिकों को इनका अधिकतम लाभ मिल सके।

हिर्री पुलिस की कार्रवाई:11 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हिर्री पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को 11 लीटर हाथ भट्ठी से निर्मित कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफआबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मधुलिका सिंह तथा नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा नूपुर उपाध्याय के निर्देश पर थाना प्रभारी दामोदर मिश्रा के नेतृत्व में अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान 15 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मेड़पार बाजार निवासी गुहाराम निषाद (34 वर्ष) अपने घर के पास बड़ी मात्रा में हाथ भट्ठी से बनी कच्ची महुआ शराब रखे हुए है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक पीले रंग के प्लास्टिक डिब्बे में रखी 11 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 2,200 रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब को विधिवत जप्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59(क) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया।

प्रद्युम्न गणेश चतुर्थी पर भगवान गणपति की पूजा

हर साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन प्रद्युम्न गणेश चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। साथ ही भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। प्रद्युम्न का एक अर्थ होता है ज्ञान का प्रकाश। इसलिए इस चतुर्थी पर ज्ञानमुद्रा वाले गणपति की पूजा करने का विधान धर्म शास्त्रों में किया गया है। इस गणेश चतुर्थी को विनायक प्रद्युम्न चतुर्थी भी कहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजन करने से बप्पा जीवन के सारे कष्ट दूर करते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। द्रिक पंचांग के अनुसार, प्रद्युम्न गणेश चतुर्थी का व्रत 18 जून को है। प्रद्युम्नगणेश चतुर्थी की पूजा दोपहर के समय की जाती है। आइए जानते हैं प्रद्युम्न गणेश चतुर्थी के पूजा का शुभ मुहूर्त और विधि...

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 17 जून को रात 09 बजाकर 38 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का 18 जून को शाम 06 बजकर 58 मिनट पर होगा। ऐसे में प्रद्युम्न चतुर्थी 18 जून को मनाई जाएगी।

चतुर्थी मध्याह्न मुहूर्त - सुबह 10 बजकर 58 मिनट से 01 बजकर 46 मिनट तक
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 03 मिनट से 04 बजकर 43 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 42 मिनट से 02 बजकर 38 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 20 मिनट से 07 बजकर 40 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात 12 बजकर 02 मिनट से 12 बजकर 42 मिनट तक
सर्वार्थ सिद्धि योग- सुबह 05 बजकर 23 मिनट से 11 बजकर 32 मिनट तक
गुरु पुष्य योग- सुबह 05 बजकर 23 मिनट से 11 बजकर 32 मिनट तक

इन उपाय से करें गणपति बप्पा को प्रसन्न

आर्थिक लाभ और धन वृद्धि के लिए- अगर आप धन संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो प्रद्युम्न चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करें और गुड़ और शुद्ध देशी घी का भोग लगाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से न संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है और भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं।

नौकरी और व्यापार में तरक्की के लिए- अगर आप करियर में सफलता पाना चाहते हैं, तो प्रद्युम्न चतुर्थी के दिन भगवान गणेश को पूजा के दौरान दूर्वा अर्पित करें। इस दौरान "ॐ गं गणपतये नम:" मंत्र का जप करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से कार्यक्षेत्र की रुकावटें दूर होती हैं। साथ ही नौकरी और व्यापार में तरक्की होती है।

शादी-ब्याह में शगुन देने की परंपरा क्यों है?

जानिए इसके पीछे की खास वजह

भारतीय संस्कृति में शादी-विवाह केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। यही कारण है कि विवाह से जुड़ी हर रस्म का अपना एक विशेष महत्व होता है। इन्हीं परंपराओं में से एक है शादी-ब्याह में शगुन देने की परंपरा। जब भी किसी घर में विवाह, सगाई या कोई शुभ काम होता है, तो रिश्तेदार, मित्र और परिवार के सदस्य शगुन के रूप में धनराशि, उपहार या कोई भी शुभ चीजें भेंट करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस परंपरा की शुरुआत क्यों हुई और इसका धार्मिक महत्व क्या है?

क्या होता है शगुन?

शगुन का अर्थ होता है शुभ संकेत या मंगल कामना। भारतीय परंपरा में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत शुभ वस्तुओं और सकारात्मक ऊर्जा के साथ करने की मान्यता है। विवाह जैसे मांगलिक अवसर पर दिया गया शगुन नवविवाहित जोड़े के सुखी और सफल वैवाहिक जीवन की कामना का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक दृष्टि से क्यों दिया जाता है शगुन?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शुभ अवसरों पर दान, उपहार और धन देना पुण्यदायी माना गया है। विवाह में दिया गया शगुन केवल आर्थिक सहयोग नहीं होता, बल्कि इसमें आशीर्वाद और शुभकामनाएं भी शामिल होती हैं। माना जाता है कि जब बड़े-बुजुर्ग या प्रियजन शगुन देते हैं तो वे अपने अच्छे विचार और मंगलकामनाएं भी नवदंपति को देते हैं। हिंदू धर्म में किसी भी मांगलिक कार्य में दान और दक्षिणा का विशेष महत्व बताया गया है। इसी परंपरा के तहत विवाह समारोहों में शगुन देने की प्रथा सदियों से चली आ रही है।

101, 501 या 1100 रुपये ही क्यों दिए जाते हैं?

आपने अक्सर देखा होगा कि शगुन में 100, 500 या 1000 रुपये की जगह 101, 501, 1100 या 2100 रुपये दिए जाते हैं। इसके पीछे भी एक खास मान्यता है। माना जाता है कि अलग से एक रुपया निरंतर प्रगति और शुभता का प्रतीक होता है। धार्मिक दृष्टि से यह संकेत देता है कि खुशियां और समृद्धि यहीं तक न रुके, बल्कि आगे भी लगातार बढ़ती रहें। इसलिए शगुन में कुछ और यानी एक रुपये जोड़कर राशि देने की परंपरा प्रचलित है।

सामाजिक महत्व भी है खास

शगुन की परंपरा का सामाजिक पक्ष भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। पुराने समय में जब विवाह समारोहों का खर्च उठाना आसान नहीं होता था, तब रिश्तेदार और समाज के लोग शगुन के माध्यम से आर्थिक सहयोग करते थे। इससे परिवार पर पड़ने वाला बोझ कुछ हद तक कम हो जाता था।आज भी यह परंपरा सामाजिक संबंधों को मजबूत काम करती है।

शगुन में क्या-क्या दिया जाता है?

अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं के अनुसार शगुन का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है। कई लोग धनराशि देते हैं, जबकि कुछ लोग सोना-चांदी, कपड़े, मिठाई, नारियल, फल या दूसरी उपयोगी चीजें उपहार में देते हैं। इन सभीचीजों को शुभता, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना जाता है।

शगुन देते समय किन बातों का रखा जाता है ध्यान?

परंपरागत मान्यताओं के अनुसार,शगुन देते समय साफ-सुथरे लिफाफे का उपयोग करना शुभ माना जाता है। कई लोग लिफाफे में चावल, हल्दी या एक सिक्का भी रखते हैं। माना जाता है कि इससे शुभ फल में बढ़ोतरी होती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपको नई उपलब्धियां मिलेंगी और आपके काम की सराहना होगी। बिजनेस में कार्यक्षेत्र से जुड़ी कोई सुखद खबर मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लव लाइफ में साथी के साथ घरेलू बातों को लेकर तालमेल अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य में माता का सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा, जिससे मानसिक शांति बनी रहेगी। कल आप किसी बड़े निर्णय को लेने में सक्षम होंगे।

वृषभ राशि - आपके साहस और मेहनत का फल आपको मिलेगा। बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में बहुत लाभकारी सिद्ध होंगे। लव लाइफ में साथी के साथ संबंध और अधिक मधुर होंगे और आप एक-दूसरे को बेहतर समझ पाएंगे। स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक रहेगा और आप बहुत ऊर्जावान महसूस करेंगे। कल का दिन नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए बहुत अच्छा है।

मिथुन राशि - बिजनेस में लाभ के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। लव लाइफ में साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मन से भी काफी प्रसन्न रहेंगे। कल आपका आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा। जो भी काम आप हाथ में लेंगे, उसे समय पर और बेहतर ढंग से पूरा कर लेंगे। सामाजिक कार्यों में सक्रियता बढ़ेगी और लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे।

कर्क राशि - धन संबंधी मामलों में बहुत सतर्क रहें और सोच-समझकर ही पैसा खर्च करें। बिजनेस में किसी को भी बिना जांच-परख के उधार न दें। लव लाइफ में वाणी पर संयम रखें, क्योंकि आपके गलत शब्द रिश्ते में खटास पैदा कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से गले या आंखों का थोड़ा ध्यान रखें। कल आपको अपने निवेशों की समीक्षा करने की आवश्यकता हो सकती है। धैर्य से काम लें और अपनी योजनाओं में कोई बड़ा बदलाव न करें।

सिंह राशि - काम का दबाव हो सकता है और किसी अनचाहे खर्च का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस में सावधानी बरतें और किसी पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा न करें। लव लाइफ में साथी के साथ थोड़ा दूरी महसूस हो सकती है, इसलिए बातचीत जारी रखें। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल लापरवाही न करें और पर्याप्त आराम लें।

कन्या राशि - आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बिजनेस में अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग हैं। लव लाइफ में साथी के साथ बेहतरीन समय व्यतीत करेंगे और आप भविष्य की सुखद योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मानसिक रूप से काफी प्रसन्न महसूस करेंगे। कल आप जो भी कार्य शुरू करेंगे, उसमें सफलता की पूरी संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और आप अपने मित्रों के साथ एक खुशनुमा दिन बिताएंगे।

तुला राशि-आपको कोई नई और बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपके पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और व्यापारिक सौदों में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम गहरा होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा। कल कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी। आत्मविश्वास के साथ अपने कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें।

वृश्चिक राशि -तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। बिजनेस में कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा होगा। स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा। कल आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में रुचि ले सकते हैं। आपका मन शांत रहेगा, परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। मेहनत का सकारात्मक फल मिलेगा।

धनु राशि- सहकर्मियों से सतर्क रहें और फालतू की बातों में समय न गंवाएं। बिजनेस में अभी किसी भी प्रकार के बड़े निवेश को टालना ही बेहतर होगा। लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, उनका ध्यान रखें। स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें। कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है। शांत रहकर ही आप मुश्किलों को पार कर पाएंगे।

मकर राशि - साझेदारी वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है। बिजनेस में अपने प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखें और योजनाबद्ध तरीके से काम करें। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें। कल आप अपने कार्यों के प्रति काफी सजग रहेंगे।

कुंभ राशि- रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा। करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे। बिजनेस में लाभ की अच्छी स्थिति बनी रहेगी। लव लाइफ में साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की बातों को बेहतर समझेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा और आप नई स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

मीन राशि- आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे। बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं। लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्रेम बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

गर्मियों के मौसम में हल्का और कंफर्टेबल पहनें

गर्मियों के मौसम में हल्की साड़ियों के साथ ब्लाउज भी हल्के पैटर्न और फैब्रिक वाले महिलाएं पसंद करती हैं। अगर आप कॉटन के ब्लाउज डिजाइन में खूबसूरत डिजाइन खोज रही हैं, तो हम आपके लिए कुछ क्लासी डिजाइन लेकर आए हैं।

कॉटन ब्लाउज के लेटेस्ट डिजाइन

गर्मियों के मौसम में हल्का और कंफर्टेबल पहनना हर किसी को पसंद होता है लेकिन कई महिलाएं साड़ी ही पहनती हैं। गर्मी में साड़ी पहनना ही किसी टास्क से कम नहीं होता। साड़ी में गर्मी लगती है और ऐसे में मोटे फैब्रिक वाला ब्लाउज शरीर में चिपका हुआ लगता है। अगर आप भी गर्मियों में साड़ी पहनती हैं लेकिन ब्लाउज हल्के कपड़े वाला खोज रही हैं, तो कॉटन के ब्लाउज डिजाइन देख सकती हैं। कॉटन के ब्लाउज आजकल हर तरह के डिजाइन में आने लगे हैं और किसी भी पैटर्न या डिजाइन की साड़ी के साथ जचते हैं। तो चलिए कुछ खूबसूरत डिजाइन आपको भी दिखाते हैं।

पफ स्लीव्स कॉटन ब्लाउज

पफ स्लीव्स वाले कॉटन के ब्लाउज आप किसी भी तरह की साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। अगर आप हल्की या जॉर्जट वाली साड़ी भी कैरी कर रही हैं, तो भी ये सुंदर लुक देंगे।

ब्रॉड राउंड नेक डिजाइन

ब्रॉड स्टाइल वाले राउंड नेक डिजाइन में भी ब्लाउज सुंदर लगेंगे। अगर आप साड़ी के साथ बोल्ड लुक ब्लाउज कैरी करती हैं, तो कॉटन में ये डिजाइन परफेक्ट रहेगी।

फेदर स्लीव्स डिजाइन

फेदर स्लीव्स वाले कॉटन के ब्लाउज भी आप ले सकती हैं। आप किसी भी हल्की या स्टाइलिश साड़ी के साथ इस तरह के ब्लाउज को पहन सकती हैं ये आपको कूल और क्लासू लुक देंगे। जो लोग स्लीवलेस नहीं पहनना चाहते लेकिन छोटी आस्तीन कैरी करना चाहते हैं, उनके लिए भी ये परफेक्ट ऑप्शन है।

वी नेक डिजाइन

कॉटन ब्लाउज डिजाइन में वी नेक स्टाइल भी कूल और क्लासी लुक देगा। ना ज्यादा बोल्ड ना ज्यादा कवर स्टाइल वाला ये पैटर्न आपकी कॉटन-जॉर्जट हर तरह की साड़ी पर अच्छा लगेगा।

स्लीवलेस स्टाइल ब्लाउज

स्लीवलेस स्टाइल वाला ब्लाउज डिजाइन भी गर्मियों में स्टाइलिश लुक के लिए पहन सकती हैं। इसमें फ्रंट से स्क्वॉयर नेक पैटर्न बना है और शोल्डर लेंथ स्लीव्स खूबसूरत लुक दे रही है।

डीप वी नेक बोल्ड ब्लाउज

बोल्ड और ग्लैमर का तड़का लगाना है, तो ब्लाउज का ये पैटर्न पहनें। पफ स्लीव्स, डीप वी नेक कॉटन ब्लाउज खूबसूरत लग रहा है। वी नेक में बूटी लगवाई है और नीचे की ओर हुक दिया है, जो अट्रैक्टिव लुक दे रहा है।

सिंपल कॉटन ब्लाउज

सिंपल-सोबर लुक वाला कॉटन का ब्लाउज चाहती हैं, तो इस तरह का कॉलर लुक और एल्बो लेंथ वाला ब्लाउज सिलवाएं। आप इसे हैवी या हल्की किसी भी तरह की साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं।

खाना खाते ही सैर करना सही या गलत?

सेहतमंद रहने के लिए मॉडर्न तरीकों को अपनाना अब ट्रेंड का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया पर रील्स या वीडियो देखकर लोग सैर के लेटेस्ट तरीके अपना रहे हैं। वॉकिंग के तरीके कई हैं और इससे जुड़े कई सवाल भी लोगों में उठते हैं। इनमें से एक सवाल ये भी है कि क्या हमें खाना खाते ही तुरंत सैर पर निकलना चाहिए? कहीं इससे हमारे शरीर को फायदे की जगह नुकसान तो नहीं होता है। खाना खाते ही तुरंत तेज वॉक नहीं करनी चाहिए। ऐसे में पेट में दर्द या डिस्कंफर्ट हो सकता है। सैर करने का सबसे बड़ा फायदा है कि इसे अमूमन हर इंसान आसानी से कर सकता है। इसके रूटीन को अपनाने से शरीर को एक साथ कई फायदे मिलते हैं। लेकिन इससे जुड़ी गलतियां भी ज्यादातर लोग दोहराते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि खाते ही सैर करना कितना गलत है?

कितनी देर वॉक करना है सही

आमतौर पर 10 से 20 मिनट की हल्की वॉक पर्याप्त होती है। यदि किसी व्यक्ति को पेट से जुड़ी कोई गंभीर समस्या, हार्ट डिजीज या अन्य हेल्थ प्रॉब्लम है, तो उसे अपनी स्थिति के अनुसार डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। कुल मिलाकर, भोजन के बाद हल्की वॉक एक अच्छी आदत है, जो डाइजेशन को बेहतर बनाती है और ओवरऑल हेल्थ के लिए भी लाभदायक साबित हो सकती है।

खाने के बाद वॉक करने के फायदे

उनके मुताबिक भोजन के बाद 10-15 मिनट की आरामदायक वॉक डाइजेशन को बेहतर बनाने में मदद करती है, जिससे गैस, ब्लोटिंग और पेट भारी लगने जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। इसके अलावा, खाने के बाद हल्की फिजिकल एक्टिविटी शरीर में ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मदद करती है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें डायबिटीज या प्री-डायबिटीज की समस्या है।

ध्यान रखें ये बातें

खाना खाने के बाद भूल से भी जिम में वर्कआउट, रनिंग या हाई इंटेंसिटी एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। भारी वजन उठाने जैसी एक्टिविटी से पेट के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि इसके लिए 1.5 से 2 घंटे का गैप रखना बेस्ट रहता है। सैर करने जा रहे हैं तो टाइट कपड़े या अनकंफर्टेबल फुटवियर से बचें क्योंकि इससे बॉडी पर एक्स्ट्रा प्रेशर पड़ता है। कंफर्टेबल कपड़े और सही फिटिंग वाली जूते पहनकर ही वॉक करनी चाहिए। खाना खाते ही सैर करने जाते हैं तो इस दौरान थोड़ा-थोड़ा पानी पिएं। ज्यादा पानी पीने से पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

व्यायाम को करने का सही तरीका और इसके फायदे

आजकल डबल चिन यानी ठुड्डी के नीचे अतिरिक्त फैट की समस्या सिर्फ बढ़ते वजन तक सीमित नहीं रह गई है। लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप का इस्तेमाल, खराब पोस्चर, उम्र बढ़ना और जेनेटिक कारण भी डबल चिन बनने की वजह बन सकते हैं। चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करने वाली यह समस्या कई लोगों के आत्मविश्वास को भी कम कर देती है। यही कारण है कि लोग डबल चिन कम करने के लिए महंगे ट्रीटमेंट और कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं का सहारा लेते हैं।हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ आसान फेस एक्सरसाइज और लाइफस्टाइल बदलावों की मदद से डबल चिन को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इनमें सबसे लोकप्रिय व्यायाम चिन लिफ्ट एक्सरसाइज मानी जाती है, जिसे घर पर बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। यह व्यायाम गर्दन और जबड़े की मांसपेशियों को सक्रिय बनाती है और चेहरे के निचले हिस्से को टोन करने में मदद करती है। अगर आप भी डबल चिन की समस्या से परेशान हैं और बिना ज्यादा खर्च किए इसका समाधान चाहते हैं, तो यह आसान एक्सरसाइज आपकी मदद कर सकती है। नियमित अभ्यास के साथ कुछ लोगों को एक सप्ताह के भीतर चेहरे में हल्का बदलाव और कसाव महसूस होने लगता है। आइए जानते हैं इस व्यायाम को करने का सही तरीका और इसके फायदे।

क्या है चिन लिफ्ट एक्सरसाइज?

कैसे करें?

इसे करने के लिए सीधे बैठें या खड़े हों। सिर को ऊपर की ओर उठाएं और छत की तरफ देखें। अब होंठों को ऐसे आगे बढ़ाएं जैसे आप हवा में किस करने की कोशिश कर रहे हों। इस स्थिति में 10 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य अवस्था में लौट आएं। इसे 10-15 बार दोहराएं। ई-ओ की आवाज निकालें चेहरे को ऊपर छत की तरफ करें। अब मुंह से पहली ई की आवाज निकालें उसके बाद होंठो को राउंड करते हुए ओ बोलें। ई और ओ वाली चेहरे की मुद्रा को बार-बार दोहराएं।

इससे चेहरे की मांसपेशियों, जॉ लाइन और नेक पर खिंचाव आता है। ये व्यायाम गर्दन और जॉ लाइन के आसपास की मांसपेशियों को सक्रिय करती है। नियमित रूप से करने पर इस क्षेत्र में कसाव महसूस हो सकता है। चेहरे की बनावट अधिक शार्प दिख सकती है। हालांकि, यदि डबल चिन का मुख्य कारण अतिरिक्त शरीर वसा है, तो वजन कम रना भी जरूरी होगा।

बेहतर परिणाम के लिए अपनाएं ये आदतें

केवल एक्सरसाइज पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित आहार लेना भी महत्वपूर्ण है। अधिक पानी पिएं, प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं और पर्याप्त प्रोटीन व फाइबर का सेवन करें। इससे शरीर का अतिरिक्त फैट कम करने में मदद मिल सकती है।

-अमानत राशि राजसात, तीन निर्माण कार्यों की निविदाएं निरस्त

दुर्ग निगम के दो ठेकेदार 1 वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट

दुर्ग/ दुर्ग नगर निगम में निविदा शर्तों का पालन नहीं करने और कार्यों के प्रति लापरवाही बरतने वाले दो ठेकेदारों को एक वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।

महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम प्रशासन द्वारा मेसर्स सिद्धार्थ कन्स्ट्रक्शन तथा ठेकेदार शशांक सिंह बैंस को निगम की सभी निविदाओं में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही उनकी जमा अमानत राशि राजसात करते हुए संबंधित निविदाओं को निरस्त कर दिया गया है।

विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार अधोसंरचना मद अंतर्गत साइंस कॉलेज के बाजू केनाल रोड निर्माण कार्य हेतु मेसर्स सिद्धार्थ कन्स्ट्रक्शन द्वारा 10.99 प्रतिशत कम दर पर निविदा स्वीकृत कराई गई थी। निविदा स्वीकृति के बाद अंतर की राशि 4.37 लाख रुपये का एफडीआर जमा कर अनुबंध निष्पादित करने के लिए निगम द्वारा कई बार पत्राचार किया गया, किंतु पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद ठेकेदार द्वारा न तो एफडीआर जमा किया गया और न ही अनुबंध निष्पादित करने के लिए उपस्थिति दी गई। इसे निविदा शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुए निगम ने 2.20 लाख रुपये की अमानत राशि राजसात कर निविदा निरस्त कर दी तथा फर्म को एक वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया। इसी प्रकार ठेकेदार शशांक सिंह बैंस द्वारा वार्ड क्रमांक 22 रेलवे लाइन के पास दुर्गा टेंट हाउस तक रोड निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 60 तालाब के किनारे मेन रोड से मंच तक सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए क्रमशः 25.22 प्रतिशत एवं 21 प्रतिशत कम दर पर निविदा प्रस्तुत की गई थी। दोनों कार्यों में नियमानुसार अंतर की राशि का एफडीआर जमा करने हेतु विभाग द्वारा बार-बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन निर्धारित अवधि के भीतर एफडीआर प्रस्तुत नहीं किया गया। निविदा शर्तों के उल्लंघन के चलते वार्ड 22 के कार्य में जमा 17,800 रुपये तथा वार्ड 60 के कार्य में जमा 23,500 रुपये की अमानत राशि राजसात कर ली गई है। साथ ही दोनों निविदाओं को निरस्त करते हुए ठेकेदार शशांक सिंह बैंस को भी आगामी एक वर्ष तक नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आमंत्रित सभी निविदाओं में भाग लेने से वंचित कर दिया गया है।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुबंध की शर्तों की अवहेलना अथवा कार्यों में अनावश्यक विलंब को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खाद-बीज संकट पर भूपेश बघेल ने साधा सरकार पर निशाना

अम्लेश्वर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने औंधी, सांकरा एवं झीट स्थित सेवा सहकारी समितियों का दौरा कर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही खाद, बीज एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने किसान भाइयों, मातृशक्ति एवं समिति सदस्यों से आत्मीयतापूर्वक संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, चिंताओं और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। किसानों ने खेती-किसानी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा। किसानों के चेहरे पर झलकता विश्वास और उम्मीद इस बात का संकेत था कि संवेदनशील नेतृत्व के सामने जनता अपनी बात खुलकर रख पाती है। बघेल ने कहा कि प्रदेश में किसानों के सामने खाद एवं बीज की उपलब्धता को लेकर गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि साय सरकार के कार्यकाल में किसान पर्याप्त खाद के बिना ही धान की बुवाई करने को मजबूर हो रहे हैं। किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं शासन से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने तथा खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता कराने की मांग की।

नैनो उर्वरकों से बढ़ी आय, सुधरी मिट्टी की सेहत

- नैनो उर्वरक लंबे समय तक मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता और गुणवत्ता को बनाए रखने का सबसे प्रभावी उपाय है: कृषक त्रिभुवन

दुर्ग। आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करना आज के समय में टिकाऊ खेती की ओर एक बड़ा कदम है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण दुर्ग जिले के ग्राम महमरा के प्रगतिशील किसान त्रिभुवन ने पेश किया है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए एक नई मिसाल बन गए हैं। उन्होंने अपनी फसलों में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया है। इस नवाचार के फलस्वरूप उन्होंने पारंपरिक रूप से होने वाली भारी-भरकम उर्वरक लागत में बड़ी कमी लाई है, साथ ही अपनी खेती को पहले से कहीं अधिक लाभकारी और व्यावहारिक बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अपने अनुभवों को साझा करते हुए त्रिभुवन का बताते हैं कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से उनकी फसलों की वृद्धि बहुत बेहतर और तेजी से हुई है। उन्होंने महसूस किया कि पारंपरिक बोरा बंद उर्वरकों की तुलना में बेहद कम मात्रा में छिड़काव करने के बावजूद इसके परिणाम कहीं अधिक प्रभावी और संतोषजनक प्राप्त हुए हैं। इस तकनीक के कारण उनकी कृषि लागत में भारी बचत हुई है, जिससे सीधे तौर पर उनकी आर्थिक स्थिति को एक नई मजबूती मिली है। कम खर्च में अधिक मुनाफा कमाने की उनकी यह कला अब आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी चर्चा का विषय बनी हुई है। त्रिभुवन का दृढ़ विश्वास है कि नैनो उर्वरक केवल वर्तमान समय में फसल का उत्पादन बढ़ाने का एक शॉर्टकट माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह लंबे समय तक मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता और उसकी गुणवत्ता को अक्षुण्ण बनाए रखने का भी एक सबसे प्रभावी उपाय हैं। रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग से बंजर होती धरती को बचाने के लिए उनकी यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए कृषि भूमि को पूरी तरह सुरक्षित, स्वस्थ और उपजाऊ बनाए रखने की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय प्रयास है।

पीडीएस की कालाबाजारी: खाद्य विभाग के मौन रूट से बाजार और फिर मिलर्स तक पहुंच रहा चावल

शहर से लगी राइस मिलों में पहुंच रहा सरकारी चावल, मॉनिटरिंग औपचारिक

राजनांदगांव। खाद्य विभाग की मिलीभगत का ही नतीजा है कि पीडीएस में मिलने वाला चावल लंबे समय से खुले बाजार में बिक रहा है, कहीं राशन दुकान संचालक भी इसकी खरीदी कर रहे हैं। लेकिन विभाग इस पर आंख मूंदकर बैठा हुआ है।

यहीं कारण है कि गरीबों का चावल खुले बाजार से होकर सीधे राइस मिलरों तक आसानी से पहुंच रहा है और बिचौलिए लाखों रुपए कमा रहे हैं। साथ ही राज्य सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। गरीबों के कोटे का चावल सीधे राइस मिलर्स के पास पहुंचने लगा है। शहर कोटे का गरीबों का चावल 8 से 10 किलोमीटर की दूरी वाले राइस मिलर्स को खपाया जा रहा है। पूरा चैनल बनाकर यह काम किया जाता है। लंबे समय से इसी तरह सरकारी कोटे के चावल की कालाबाजी हो रही है और खाद्य विभाग इसे मौन स्वीकृति प्रदान किया हुआ है। इस कारण किसी भी पीडीएस संचालक या मिलर्स पर अब तक बड़ी कार्रवाई नहीं की गई है। शहर में तकरीबन आधा दर्जन से अधिक ऐसे पीडीएस संचालक है जो गरीबों का चावल खुद ही खरीद लेते हैं। यानी राशन कार्ड में इंट्री करने के बाद उन्हें 22 से 24 रुपए किलो के भाव से भुगतान कर देते हैं।

इस तरह से जांच करने में पीछे है विभागीय टीम

सरकारी राशन दुकान हितग्राहियों से ही कोटे का चावल खरीद रहे हैं। इंट्री करने के बाद मशीन से स्टॉक को कम हो जाता है, मशीन के अनुसार कोटे का चावल हितग्राहियों को आवंटित किया जा चुका है। लेकिन दुकान में स्टॉक मौजूद रहता है, क्योंकि उसे तो संचालक ने ही खरीद लिया है। इमानदारी से यदि निरीक्षण किया जाए तो मशीन और दुकान के स्टॉक के मिलान से ही ये बड़ी गड़बड़ी पकड़ी जा सकती है।

चावल खरीदने एजेंट भी वार्डों में घूमते हैं

गरीबों का चावल पहले चरण में तीन लोगों के पास बिकता है, आखिर में पूरी खेप राइस मिलर्स के पास ही पहुंचती है। इसमें सरकारी राशन दुकान संचालक के अलावा कई किराना व्यापारी है जो सरकारी चावल खरीदते हैं। इसके अलावा शहर में कई ऐसे लोग हैं, जो एजेंट के रूप में वार्डों में जाकर हितग्राहियों से चावल लेते हैं। इसमें हितग्राहियों को जिसके पास प्रति रेट ज्यादा मिलता है वे उसी के पास चावल बेचते हैं।

किसानों को आवश्यकता के मुताबिक खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए : संभाग आयुक्त राठौर

संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने दिए निर्देश

दुर्ग। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने संभागीय कार्यालय में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और कामकाज की समीक्षा की उन्होंने कहा कि संभाग के सभी जिलों में किसानों को खरीफबीज और खाद की उपलब्धता आवश्यकतानुसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संभाग में खाद बीज की उपलब्धता की जानकारी ली। संयुक्त संचालक कृषि ने अवगत कराया कि दुर्ग संभाग में 79 प्रतिशत लक्ष्य के विरूद्ध 70 प्रतिशत खाद का भण्डारण किया गया है। अब तक 49 प्रतिशत खाद का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि संभाग के सभी जिलों में खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता है। वर्तमान में यूरिया एवं अन्य उर्वरकों का वितरण शासन के निर्देशानुसार किया जा रहा है। फसलों की आवश्यकताओं के आधार पर यूरिया की आवश्यकता तीन किस्तों में होती है। इसलिए दीर्घ श्रेणी के कृषकों को यूरिया दो किस्तों में उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है तथा लघु श्रेणी के कृषकों को यूरिया का वितरण रकबे के आधार पर एकमुश्त किया जा रहा है। संभाग में 81 प्रतिशत बीज का भण्डारण है। बीज निगम द्वारा किसानों के मांग के अनुरूप 50 प्रतिशत प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। अब तक किसी भी प्रकार की शिकायते नहीं आई हैं। धान की किस्म स्वर्णा और एमटीयू-1001 की मांग ज्यादा हो रही है। संभाग आयुक्त राठौर ने संभाग के जलाशयों में पानी की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने मानसून को ध्यान में रखते हुए जलाशयों के पानी सिंचाई हेतु उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि आज से स्कूल खुलने के साथ ही सुनिश्चित किया जाए कि स्कूलों की व्यवस्था बेहतर हो। बच्चों को मध्यान्ह भोजन हेतु शहरों की भांति गांवों में भी अक्षय पात्र की सेवाएं दी जा सकती है। संभाग आयुक्त ने जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत गांवों में पेय जल उपलब्धता पर जोर देते हुए अधिकारियों को कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के तहत ही कार्य संपादित कराने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। इसी प्रकार सुशासन तिहार के अंतर्गत अधीनस्त कार्यालयों को प्राप्त आवेदनों का भी गुणवत्ता पूर्वक निराकरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव और उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर एवं समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

जिले के पांच गांवों में सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम प्रारंभ

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली द्वारा जारी मुकदमे-मुक्त ग्रामीण भारत की दिशा में सामुदायिक मध्यस्थता मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जिले के पांच ग्रामों घुघसीडीह, ननकट्ठी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल का चयन किया गया है। इस अभिनव पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले छोटे-छोटे सामाजिक, पारिवारिक, पड़ोसी, भूमि एवं अन्य सामुदायिक विवादों का न्यायालय पहुंचने से पूर्व ही आपसी संवाद, सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निराकरण सुनिश्चित करना है। सामुदायिक मध्यस्थता की इस व्यवस्था से न केवल न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करने में सहायता मिलेगी, बल्कि गांवों में सामाजिक समरसता, भाईचारा एवं आपसी विश्वास को भी मजबूती प्राप्त होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा चिन्हांकित इन ग्रामों में सामुदायिक मध्यस्थता तंत्र को सुदृढ़ बनाने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यशालाएं एवं संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, पैरामलीगल वालंटियर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण नागरिकों को मध्यस्थता की प्रक्रिया एवं उसके लाभों से अवगत कराया जाएगा। सामुदायिक मध्यस्थता एक ऐसी वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली है, जिसमें पक्षकारों की स्वैच्छिक सहभागिता एवं आपसी सहमति के आधार पर विवादों का समाधान किया जाता है। यह प्रक्रिया सरल, त्वरित, कम खर्चीली तथा संबंधों को बनाए रखने वाली व्यवस्था के रूप में ग्रामीण समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि वे विवादों के समाधान हेतु संवाद एवं मध्यस्थता की संस्कृति को अपनाएं तथा ग्राम स्तर पर शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं। यह पहल वाद-मुक्त ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के साथ-साथ ग्रामीण समाज में स्थायी शांति एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देगी।

पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन

भिलाई नगर। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा फुटकर विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सभी पात्र हितग्राहियों को नगर निगम कार्यालय में आमंत्रित कर योजना का लाभ दिलाने हेतु उनके ऑनलाइन आवेदन पोर्टल में भरवाए गए। शिविर में बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स उपस्थित हुए तथा योजना के प्रति उत्साह दिखाया। नगर पालिका निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जी के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में निगम की टीम द्वारा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में नोडल अधिकारी अनिल सिंह द्वारा सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों को पत्र प्रेषित कर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ शीघ्र एवं अधिकतम संख्या में प्रदान करने हेतु आवश्यक सहयोग एवं प्राथमिकता देने का अनुरोध किया गया है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु नगर निगम द्वारा मुनादी एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए निगम क्षेत्र में प्रतिदिन जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा आगामी दिनों में भी ऐसे शिविरों का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी रखा जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय भव्य 'योग संगम' का आयोजन

कलेक्टर ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

दुर्ग। 21 जून 2026 को 'योग संगम' एवं 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' थीम पर जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम मालवीय नगर चौक स्थित 'खालसा पब्लिक स्कूल' में सुबह 07.00 बजे से 07.45 बजे के मध्य आयोजित होगा। कलेक्टर सिंह ने कार्यक्रम की सफलता और व्यवस्थाओं के सुचारू प्रबंधन के लिए विभिन्न विभागों के आला अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जिसके अनुसार जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे को संपूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हरवंश सिंह मिरी को कानून व्यवस्था, संपूर्ण तैयारी और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है, वहीं संयुक्त कलेक्टर एवं प्रोटोकॉल अधिकारी के रूप में वे मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रण कार्ड वितरण का कार्य भी संभालेंगे।

शहरी व्यवस्थाओं की कमान आयुक्त (नगर पालिक निगम) सुमित अग्रवाल को दी गई है, जिन्हें स्टेडियम में मैदान की सफाई, गद्दे, टेंट, दरी की व्यवस्था, भौतिक ढांचा, वीडियो व फोटोग्राफी, माइक तथा शौचालय जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा को मंचीय संचालन हेतु उद्घोषिका (एनाउंसर) की व्यवस्था करने, योग प्रशिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सभी शैक्षणिक संस्थाओं के कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, स्काउट गाइड और एनएसएस के छात्रों की भागीदारी तय करने का जिम्मा मिला है। कार्यपालन अभियंता (लोक निर्माण विभाग) आशीष भट्टाचार्य को आमंत्रण पत्र कार्ड प्रिंटिंग, मंच निर्माण और मंचीय बैनर व्यवस्था का प्रभार दिया गया है। चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों के लिए सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आशीषन मिंज को चिकित्सकीय टीम एवं एम्बुलेंस तैनात रखने की जिम्मेदारी दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के आर. के. जामुलकर को आंगनबाड़ी केंद्रों व बाल आश्रमों से जुड़े लोगों को कार्यक्रम में शामिल करने हेतु निर्देशित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उच्च शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप जांगड़े को सभी महाविद्यालयों में योग कार्यक्रम आयोजित कराने तथा छात्र-छात्राओं को जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में शामिल करने हेतु निर्देशित करने को कहा गया है।

भिलाई 03 के 'मंगल भवन' में 18 जून से लगेगा तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविर

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में संपूर्ण प्रदेश में विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के भिलाई-03 में तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविर का आयोजन होने जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भिलाई-03 महेश राजपूत से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विशेष शिविर आगामी 18 जून 2026 से 20 जून 2026 तक स्थानीय 'मंगल भवन, भिलाई 03' में आयोजित किया जाएगा, जिसका समय पूर्वान्ह 10.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस तीन दिवसीय शिविर का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की समस्त जनकल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचाना है। शिविर के दौरान विभिन्न प्रमुख योजनाओं के लिए मौके पर ही पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) और आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें मुख्य रूप से आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, पीएम कौशल विकास योजना और विभिन्न पेंशन योजनाओं को शामिल किया गया है, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से सीधे लाभान्वित हो सकें। क्षेत्र के नागरिक और जरूरतमंद लोगों से तय समय पर 'मंगल भवन' पहुंचकर इस वृहद शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com